

न्यूज गैलरी

सड़क हादसे में मां-बेटे समेत तीन की मौत



चाईबासा : राजनगर थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर स्थित चाईबासा-हाता राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार देर रात सड़क हादसे में मां-बेटे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। तीनों स्विफ्ट डिजायर कार से चाईबासा से जमशेदपुर स्थित घर के लिए लौट रहे थे। इसी दौरान कार चालक ने सड़क किनारे खड़ी ट्रैलर में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में मां-बेटे और मृतक के बुआ की मौत हो गई। चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए टीएमएच में भर्ती कराया गया है। **सड़क दुर्घटना में मृतकों के नाम :** उषा देवी, राहुल कुमार, प्यारी देवी जबकि चालक अश्वेतन सुरेन टाटा मेन हॉस्पिटल में भर्ती है। **शेष पेज 12 पर**

तोपचांची में इनोवा कार से पांच लाख 80 हजार रुपये नकद जब्त



तोपचांची (धनबाद) : चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद 50 हजार से अधिक नकद राशि ले जाने पर रोक है, इसी क्रम में जांच के दौरान कल देर रात तोपचांची थाना गेट के सामने जीटी रोड पर एफएसटी 3 टीम ने इनोवा कार से पांच लाख 80 हजार रुपये नकद जब्त किया। इस एफएसटी 3 टीम ने थानेदार सुरेश मुंडा, बीडीओ केके बेसरा और सीओ विकास त्रिवेदी के नेतृत्व में देर रात सासाराम से हावड़ा जा रही इनोवा गाड़ी से नकद राशि जब्त किया। इनोवा में चालक समेत चार लोग सवार थे। **शेष पेज 12 पर**

3.99 करोड़ नकद समेत 8.33 करोड़ के सामान बरामद

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनय कुमार चौबे ने बताया कि विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा होने के बाद से 25 नवंबर तक 8,33,53,958 रुपए की सदिध नकदी, अवैध शराब और गांजा समेत कई अन्य सामग्रियां जब्त की जा चुकी है। इसमें 3,99,84,596 रुपए नकद जब्त किए गए हैं। साथ ही 2,52,00,409 रुपए कीमत का अवैध शराब और महुआ जब्त अथवा नष्ट किया जा चुका है। **शेष पेज 12 पर**

गिरिडीह में है भारतीय संविधान की मूल प्रति

गिरिडीह : भारतीय संविधान की मूल प्रति गिरिडीह में है। यह गौरव गिरिडीह को पिछले कई वर्षों से प्राप्त है। मिली जानकारी के अनुसार, पूरे झारखंड में संविधान की एक मात्र मूल प्रति गिरिडीह के केंद्रीय पुस्तकालय में रखी हुई है। बताया जाता है कि एक अप्रैल 2003 को कोलकाता के राजा राममोहन राय फाउंडेशन से संविधान की मूल प्रति को मंगाया गया था। इस पर देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद एवं डॉ भीमराव आंबेडकर के मूल हस्ताक्षर हैं। इसके अलावा सच्चिदानंद सिन्हा के हस्ताक्षर हैं। **शेष पेज 12 पर**

महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे होंगे : नवाब मलिक

मुंबई : सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद महाराष्ट्र में पूरी राजनीतिक तस्वीर बदलती दिख रही है। कोर्ट ने कहा है कि कल शाम 5 बजे तक बहुमत परीक्षण हो जाना चाहिए। **कल सुबह आठ बजे विधानसभा का विशेष सत्र :** महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने बुधवार सुबह आठ बजे विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया है। प्रोटेम स्पीकर कालीदास कोलम्बर ने कहा है कि सुबह आठ बजे सभी विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। **महाराष्ट्र की जनता की विजय :**

नवाब मलिक : एनसीपी नेता नवाब मलिक ने कहा, एनसीपी, कांग्रेस और शिव सेना ने उद्धव ठाकरे को अपना नेता चुना है। वह महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री होंगे। एनसीपी के नवाब मलिक की प्रेस कॉफ्रिस कर कहा कि भाजपा के पास बहुमत नहीं था। घोड़ा बाजार कर के दावा करके भाजपा ने यह खेल किया था। मगर सर्वोच्च अदालत ने प्रोटेम स्पीकर नियुक्त कर तुरंत शक्ति परीक्षण का आदेश दिया। इसके बाद ही देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने का फैसला किया। यह महाराष्ट्र की जनता की विजय है। उन्होंने कहा कि भाजपा घमंड से भरी हुई है। **कार्यवाहक सीएम बने रहेंगे फडणवीस :** देवेंद्र फडणवीस

राज्यपाल ने कल सुबह बुलाई बैठक



राज्य में नया मुख्यमंत्री बनने तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री के तौर पर कामकाज संभालते रहेंगे। उन्होंने खुद ट्वीट कर यह जानकारी दी। **भाजपा के कालिदास कोलम्बर प्रोटेम स्पीकर नियुक्त :** भाजपा के कालिदास कोलम्बर को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया है। वह जल्द ही राजभवन में जाकर शपथ लेंगे। उन्होंने कहा कि बुधवार को सत्र की शुरुआत में वह अन्य विधायकों को शपथ दिलवाएंगे। **कांग्रेस नेता मुंबई रवाना :** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल और अहमद पटेल मुंबई के लिए रवाना हो चुके हैं। **सोनिया ने साझा न्यूनतम कार्यक्रम पर सहमति दी :** कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने

शिव सेना, एनसीपी और कांग्रेस गठबंधन के साझा न्यूनतम कार्यक्रम पर सहमति दे दी है। आज संयुक्त बैठक के बाद इस कार्यक्रम को सार्वजनिक किया जाएगा। **राज्यपाल अपनी आरएसएस-भाजपा घड़ी उतारें : कांग्रेस** : कांग्रेस ने कहा है कि महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को अपनी आरएसएस-भाजपा घड़ी को उतारकर महा विकास अघाड़ी गठबंधन को सरकार बनाने के लिए बुलाना चाहिए। **उद्धव ठाकरे का नेता चुनना तय :** शिव सेना के वरिष्ठ नेता ने बताया है कि एनसीपी, कांग्रेस और शिव सेना के गठबंधन ने उद्धव ठाकरे को अपना नेता चुना है। वह महाराष्ट्र में सरकार बनाने का दावा करेंगे।

मतदान केंद्र के 100 मीटर की परिधि में वोट मांगना अपराध

उल्लंघन करने वाले व्यक्ति को बिना वारंट किया जा सकता है गिरफ्तार

संवाददाता

रांची : 30 नवंबर को विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 13 सीटों के लिए मतदान होना है। इस सिलसिले में मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संचालित करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग की ओर से कई निर्देश दिए गए हैं। श्री विनय कुमार चौबे, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि मतदान के दिन मतदान केंद्र के 100 मीटर की परिधि में वोट मांगने को अपराध घोषित किया गया है। यदि कोई व्यक्ति इसका उल्लंघन करता है तो उसे पुलिस द्वारा बिना वारंट के ही गिरफ्तार किया जा सकता है और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा 130



के अधीन उसके खिलाफ मुकदमा भी चलाया जा सकता है। **मतदान केंद्र के 200 मीटर के भीतर अभ्यर्थी द्वारा शिविर लगाए जाने पर रोक :** चौबे ने बताया कि मतदान केंद्रों के 200 मीटर के भीतर अभ्यर्थियों द्वारा मतदान के दिन शिविर लगाने पर प्रतिबंध

रहेगा। अगर कोई अभ्यर्थी इसका उल्लंघन करते हुए शिविर लगाता है तो प्राधिकारी द्वारा उचित कार्रवाई करते हुए शिविर हटया दिया जाएगा। मतदान केंद्र में मतदाता निष्पक्ष व भयमुक्त होकर अपने मतार्धिकार का इस्तेमाल कर सकें, इसलिए भारत निर्वाचन आयोग की

रघुवर ने मैनहर्ट की गलत नियुक्ति की थी, भाजपा का शीर्ष नेतृत्व भी पाक-साफ नहीं : सरयू राय

जमशेदपुर : जमशेदपुर पूर्वी से निर्दलीय प्रत्याशी सरयू राय ने सीएम रघुवर दास और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व पर बड़ा हमला बोला है। कहा कि 2005 में सरकार में नगर विकास मंत्री रहे रघुवर ने रांची में सीबरेज-ड्रेनेज सिस्टम बनाने के लिए सिंगपुर की कंसल्टेंट कंपनी मैनहर्ट की गलत ढंग से नियुक्ति कराई। झारखंड हाईकोर्ट ने भी नियुक्ति में गड़बड़ी पाई थी।

नगरानी की तकनीकी टीम ने जांच में मैनहर्ट को कंसल्टेंट बनाने व टेंडर में त्रुटि पाई थी। राय

14 साल में दोषियों पर कार्रवाई नहीं, तत्कालीन निगरानी आयुक्त भी कठपुरे में



ने ये बातें सोमवार को बिष्टुपुर आवास पर प्रेसवार्ता में कहीं। बताया कि 14 साल बाद भी सरकार ने दोषियों पर कार्रवाई नहीं

की। मैनहर्ट की नियुक्ति पर 24 करोड़ रुपए खर्च हो गए। उन्होंने निगरानी के तत्कालीन आयुक्त को भी कठपुरे में खड़ा किया। **सभापति के नाते जांच की तो गड़बड़ी पाई :** सरयू राय ने कहा कि विपक्ष द्वारा भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जाने पर तीन सदस्यीय विस क्रियान्वयन समिति का गठन हुआ, वे सभापति होने के नाते मैनहर्ट मामले में जांच की, तो अनियमितता पाई और इसकी रिपोर्ट विस में सौंपी।

शेष पेज 12 पर

रघुवर, अभय, गौरव सहित 15 प्रत्याशियों ने नहीं दिया चुनावी खर्च का ब्योरा, अब इनके खिलाफ शो-काँज

जमशेदपुर : जमशेदपुर पूर्वी से भाजपा प्रत्याशी सीएम रघुवर दास, कांग्रेस के गौरव वल्लभ, झाविमो के अभय सिंह समेत 15 उम्मीदवारों ने सोमवार को चुनावी खर्च का ब्योरा निर्वाची पदाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया है। अब इन सभी को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। जवाब आने के बाद इनके खिलाफ कार्रवाई की

नोटिस मांगा जवाब, व्यय पैक के समक्ष चुनावी खर्च का ब्योरा देना था

जाएगी। **सोमवार को देना था ब्योरा :** नामांकन के बाद पहली बार सोमवार को सभी प्रत्याशियों को व्यय प्रेशक के समक्ष चुनावी खर्च का ब्योरा देना था। जुगसलाई के प्रत्याशियों के चुनावी ब्योरा की

जांच परिसदन में, जबकि जमशेदपुर पूर्वी, जमशेदपुर पश्चिमी व पोेटका की जांच डीसी ऑफिस में और घाटशिला व बहरागोड़ा की जांच घाटशिला मे की गई। घाटशिला के झापीपा प्रत्याशी सूर्य सिंह बेसरा, निर्दलीय सिमो हेंब्रम व सुनीता मुर्मु, जमशेदपुर पूर्वी के धर्मेद कुमार शर्मा, सेमरा तिकी व अन्य ने ब्योरा नहीं दिया है।

सीएम पद देने वाली पार्टी के साथ जाने को तैयार थी शिव सेना : देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि शिव सेना ने हमें पहले ही कहा था कि जो भी पार्टी उन्हें सीएम पद देने को राजी होगी, हम उसके साथ चले जाएंगे।

फडणवीस का इस्तीफा : देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मिलकर अपना इस्तीफा सौंप दिया है।

उद्धव को सरकार बनाने का न्योता मिले : चह्दहाण : कांग्रेस के पृथ्वीराज चव्हाण ने महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए उद्धव ठाकरे को तुरंत आमंत्रित करने की मांग की है।

आज शाम शिव सेना, एनसीपी और कांग्रेस की बैठक : कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल ने कहा कि आज शाम तीनों दलों की एक बैठक होगी और उसके बाद प्रेस कॉफ्रिस होगी। बैठक में संयुक्त रूप से विधायक दल का नेता चुना जाएगा। इस बैठक में उद्धव ठाकरे को नेता चुना जा सकता है। **कांग्रेस ने मोदी और शाह से जवाब मांगा :** कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि 'जममत' को अगुवा करने वालों के 'अल्पमत' की पोल खुल ही गई।

शेष पेज 12 पर

कल शाम पांच बजे तक कराएं बहुमत परीक्षण : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली : महाराष्ट्र के सियासी ड्रामा पर उच्चतम न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाते हुए बुधवार शाम को पांच बजे तक सदन में बहुमत परीक्षण करने का आदेश दिया है। नवनियुक्त सरकार के पास सदन में अपना बहुमत साबित करने के लिए लगभग 30 घंटे का समय है। अदालत ने प्रोटेम स्पीकर नियुक्त करने का भी आदेश दिया है। प्रोटेम स्पीकर सभी विधायकों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे।

इसके तुरंत बाद प्रोटेम स्पीकर बहुमत परीक्षण कराएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा है कि पूरी प्रक्रिया का लाइव प्रसारण होगा साथ ही गुप्त मतदान नहीं होगा। अदालत ने कहा कि संवैधानिक मुद्दों को छूने, लोकतांत्रिक मूल्यों को ध्यान में रखने और संविधान को कायम रखने की जरूरत है। अदालत ने यह फैसला हरीश रावत, एसआर बोम्मई केस के आधार पर दिया

► **हम महाराष्ट्र के राज्यपाल से अनुरोध करते हैं कि वह 27 नवंबर को विश्वास मत सुनिश्चित करें : उच्चतम न्यायालय**
► **मसराष्ट्र विस के सभी निर्वाचित सदस्य 27 नवंबर को शपथ लेंगे**
► **महाराष्ट्र विस में विश्वास मत के दौरान गुप्त मतदान नहीं होगा**
► **पूरी प्रक्रिया पांच बजे तक पूरी हो जानी चाहिए**

► **विधानसभा की पूरी कार्यवाही का सीधा प्रसारण होगा**

है। इससे पहले शनिवार को एनसीपी, कांग्रेस और शिवसेना ने संयुक्त रूप से शीर्ष अदालत में राज्यपाल द्वारा नवनियुक्त सरकार को रद्द करने की मांग वाली याचिका खारिज की थी। वहीं विपक्ष जल्द से जल्द बहुमत परीक्षण कराने की मांग कर रहा था। जिसे लेकर अदालत ने अपना फैसला दे दिया। अदालत में रविवार और सोमवार को सत्ता और विपक्षी दलों के वकीलों ने तीखी बहस की थी। जिसके बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। सीक्रेट बैलेट से मतदान से इनकार कर सुप्रीम कोर्ट ने वोटिंग की प्रक्रिया को पारदर्शी रखने की पहल की है।

खरीद-फरोख्त को रोकने के लिए दिया अंतरिम आदेश : जस्टिस रमन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि एक महीने से ज्यादा का समय बीत चुका है और विधायकों ने अभी तक शपथ नहीं ली है। उन्होंने कहा कि सरकार बनाने के लिए विधायकों की खरीद-फरोख्त न हो इसके लिए जरूरी है कि अंतरिम आदेश दिया जाए। अदालत ने कहा कि लंबे समय से संसदीय परंपराओं और कोर्ट को लेकर बहस होती रही है लेकिन संसदीय परंपराओं में कोर्ट का दखल नहीं होगा। अदालतों को आखिरी विकल्प के तौर पर ही दखल देना चाहिए। महाराष्ट्र भी एक ऐसा ही मामला है।

रघुवर-सरयू की हॉट सीट जमशेदपुर में लगेगा जमघट तीन दिसंबर को फिर आएंगे मोदी

रांची : झारखंड विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए बीते दिन पलामू और गुमला पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही एक बार फिर मतदाताओं से मुखातिब होंगे। बताया गया है कि 3 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोबारा रांची आएंगे। इस दिन पीएम मोदी खूंटी के अलावा जमशेदपुर में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। हालांकि पीएम के आने की अभी तक भारतीय जनता पार्टी की ओर से अधिकृत पुष्टि नहीं की गई है।

इधर जमशेदपुर के एसडीओ ने तीन दिसंबर को बाह्र बजे दिन में जमशेदपुर के गोपाल मैदान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा के बारे में पुष्टि की है। मोदी की रैली होने से यहां बड़ा जमघट लगने की संभावना है। अब देखना होगा कि झारखंड के मुख्यमंत्री रघुवर दास

को जमशेदपुर पूर्वी सीट से सीधी चुनौती दे रहे भाजपा के बागी सरयू राय को पीएम कितना निशाने पर लेते हैं। कुछ दिन पहले ही सरयू राय ने रघुवर दास को रघुवर दाग कहते हुए टिप्पणी की थी कि मोदी डिटरजेंट और शाह लाउंड्री भी ये दाग नहीं धो पाएंगे। मालूम हो कि भाजपा ने सरयू राय की जमशेदपुर पश्चिमी सीट को चौथी लिस्ट जारी करने तक होल्ड पर रखा था। ऐसे में सरयू राय ने भाजपा का टिकट न लेने का फैसला किया और निर्दलीय के तौर पर सीएम रघुवर दास के खिलाफ जमशेदपुर पूर्वी सीट से चुनाव मैदान में उतर गए। इस बीच कांग्रेस ने ट्रिलियन में कितने जीरो पछुनेवाले गौरव बल्लभ को भी पूर्वी सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है। **शेष पेज 12 पर**

अनंतनाग में ग्रेनेड हमला, दो की मौत, हाई अलर्ट पर सुरक्षाबल

जम्मू : जम्मू कश्मीर के अनंतनाग में आतंकियों ने ग्रेनेड हमला किया। इस हमले में दो नागरिकों की मौत हो गई है। सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया है। एक दिन में आतंकियों द्वारा की गई यह दूसरी वारदात है। इससे पहले आतंकवादियों ने कश्मीर विश्वविद्यालय के बाहर ग्रेनेड फेंकला किया था। इसमें दो स्थानीय नागरिक घायल हुए हैं। जिनका उपचार चल रहा है।

अयोध्या फैसला : पुनर्विचार याचिका दायर नहीं करेगा सुन्री वक्फ बोर्ड

लखनऊ : अयोध्या मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले पर मंगलवार को लखनऊ में हुई सुन्री वक्फ बोर्ड की बैठक में पुनर्विचार याचिका न डालने का फैसला लिया गया। बैठक में बोर्ड के सात में से छह सदस्यों ने याचिका न दाखिल करने पर सहमति जताई जबकि सिर्फ एक सदस्य अब्दुल रज्जाक खान चाहते थे कि पुनर्विचार याचिका दाखिल की जाए।

शेष पेज 12 पर

पाकिस्तानी सेना प्रमुख बाजवा को झटका सुप्रीम कोर्ट ने कार्यकाल विस्तार पर लगाई रोक

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट की तरफ बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने जनरल बाजवा के कार्यकाल विस्तार की अधिसूचना को कल तक के लिए निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख समेत सभी पक्षों को नोटिस जारी किया है। गौरतलब है कि जनरल बाजवा पाकिस्तान सेना प्रमुख के पद से 29 नवंबर को रिटायर हो



रहे हैं। अब इस मामले की सुनवाई बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गई है। सुनवाई के दौरान पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि स्पष्ट रूप से सेना प्रमुख के कार्यकाल विस्तार के लिए दिया गया सारांश और मंजूरी सही नहीं है। **शेष पेज 12 पर**

समर्थकों की मानें या दिल की सुनें, ऊहापोह में बाबूलाल; झाविमो की दो सीटें होल्ड

रांची। झारखंड के 81 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से 79 पर प्रत्याशियों की घोषणा कर चुका झारखंड विकास मोर्चा (झाविमो) दो सीटों पाकुड़ और जामा को होल्ड पर रखा है। जामा को लेकर बहरहाल चर्चाओं का बाजार गर्म है। जामा के कुछ समर्थकों की सुनें या दिल की करें, बाबूलाल ऊहापोह में है। हालांकि, इस प्रकरण में न तो बाबूलाल और न ही पार्टी के कोई भी पदाधिकारी कुछ भी बोलने को



तैयार हैं। अब जब तक होल्ड दोनों सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा नहीं कर दी जाती, यह राज ही रहेगा। बताते चलें कि बाबूलाल ने

विधानसभा चुनाव 2014 में गिरिडीह और धनवार दोनों ही विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों से अपनी किस्मत आजमाई थी। दुर्भाग्य से

दोनों ही जगह वे प्रतिद्वंद्वियों से मात खा गए थे। गिरिडीह में मरांडी जहां तीसरे पायदान पर थे, वहीं धनवार में वे उप विजेता थे। गिरिडीह की बात करें, तो निर्भय कुमार शाहाबादी ने यहां भाजपा के टिकट पर जीत हासिल की थी। उन्हें कुल 57,450 मत प्राप्त हुए थे, जबकि उप विजेता झामुमो के सुदिव्य कुमार को 47,517 मत मिले थे। इससे इतर मरांडी को महज 26,665 मतों से ही संतोष करना पड़ा था। जहां तक धनवार की बात है, मरांडी सीपीआइ (एमएल) के राजकुमार यादव से परास्त हुए थे। यादव को जहां 50,634 मत हासिल हुए थे,

वहीं बाबूलाल मरांडी 39,922 मतों पर सिमट आए थे। बाबूलाल ने इस बार फिर धनवार से नामांकन दाखिल किया है। इससे इतर, जामा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र पर झामुमो का कब्जा रहा है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पुत्रवधू सीता सोरेन पिछले दो विधानसभा चुनावों से इस सीट पर लगातार जीत दर्ज कराती आई हैं। ऐसे में मरांडी अगर यहां से भी किस्मत आजमाते हैं, तो उन्हें धनवार के ही समानांतर यहां भी अपनी ताकत झोकनी होगी। ऐसे में वे इस चुनौती को स्वीकारेंगे, असंभव जान पड़ता है।

बॉलीवुड अभिनेत्री भाग्यश्री ने कहा- वोट जरूर दें और अपना भविष्य सुरक्षित करें

रांची। बॉलीवुड फिल्म अभिनेत्री भाग्यश्री मंगलवार को कांग्रेस प्रत्याशियों के चुनाव प्रचार के लिए मनिका और लोहरदगा पहुंची। यहां उन्हें देखने के लिए सैकड़ों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस मौके पर भाग्यश्री ने कहा कि आप 30 नवंबर को सही उम्मीदवार मनिका से कांग्रेस प्रत्याशी रामचंद्र सिंह व लोहरदगा से डॉ. रामेश्वर उरांव को वोट दें और अपना भविष्य सुरक्षित करें।

कांग्रेस में श्वेता की इंटी से शुरू हुआ सियासी संग्राम, समर्थन तो कहीं विरोध में उठे सुरू भाग्यश्री ने उपस्थित लोगों से कांग्रेस को वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा कि मैं राजनीति से नहीं जुड़ी हूं। लेकिन राज्य सभा सांसद धीरज



प्रसाद साहू के रिक्रिस्ट पर मनिका व लोहरदगा आई हूं। उन्होंने बताया कि उनके पति, धीरज प्रसाद साहू के अच्छे मित्र हैं।

भाग्यश्री ने कहा कि मुझे पता है, आपको अपना भविष्य प्यारा है और आपका भविष्य आपके बच्चे हैं। इनका भविष्य और राज्य का

विकास सिर्फ कांग्रेस ही संवार सकती है। आने वाले वक्त में इनकी तरक्की के लिए कांग्रेस को वोट करें। इधर, राज्य सभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि कांग्रेस अगर चुनाव जीतती है तो हर घर में एक नौकरी और किसानों का कर्जा माफ किया जाएगा।

रघुवर सरकार ने स्थानीय नीति को लागू कर स्थानीय को ही गायब कर दिया : कांग्रेस

रांची। कांग्रेस पार्टी ने कहा है कि बेरोजगारी के मुद्दे को भटकाने के लिए राज्य की रघुवर सरकार इधर-उधर की बातें कर रही है और रोजगार उपलब्ध कराने के संबंध में झूठे आंकड़े पेश कर रही है, जबकि राज्य में महज 27 हजार 400 नियुक्तियां ही हुई हैं। कांग्रेस पार्टी ने सिलसिलेवार नियुक्तियों को लेकर विभागावार विस्तृत ब्यौरा दिया है। उन्होंने कहा कि हाई स्कूल शिक्षक पद पर 16584, दारोगा के पद पर 2600, पुलिस बल में 530 और प्राथमिक शिक्षकों की 7384, टीवीनएल में 102, उर्जा विभाग में 123

और नगर निकाय में संविदा के आधार पर 283 नियुक्ति की। वहीं रघुवर सरकार की ओर से आकड़ा दिया गया है कि राज्य में 1.17लाख नियुक्तियां की गयीं। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि रघुवर सरकार पांच सालों के अपने कार्यकाल में झारखंड लोक सेवा आयोग, जेपीएससी की एक भी परीक्षा आयोजित नहीं कर पायी। उन्होंने कहा कि रघुवर सरकार ने अपने कार्यकाल में 50-50 विज्ञापन निकाल कर झारखंड के नौजवानों को भटकाया

है। उन्होंने कहा कि देश के दस राज्यों के आंकड़ों के अनुसार सबसे झारखंड ज्यादा बेरोजगारी झारखंड में बताया गया है। झारखंड के युवा रोजगार की तलाश में सबसे अधिक पलायन किये हैं। वहीं कौशल विकास के तहत की गयी नियुक्तियों को लेकर भी फर्जी आंकड़े पेश किये गये। रघुवर सरकार भीड़ जुटाने के लिए सभाओं में सखी मंडल का दुरुपयोग कर रही है। इसके साथ ही कांग्रेस ने फिर रघुवर सरकार से पांच सवाल पूछा है। उन्होंने कहा कि जेपीएससी की एक भी परीक्षा

क्यों नहीं हुई? नई नियोजन के तहत क्यों बाहरी की नियुक्ति की? टेच व शिक्षक नियुक्ति नियमावली में क्यों बदलाव किया गया? स्कूल समिट के नाम पर युवाओं को रोजगार देने का दावा झूठ है, स्थानीय नीति को लागू कर स्थानीय को ही गायब कर दिया। संवाददाता सम्मेलन को प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने संबोधित किया। इस अवसर पर जरिता लैफलेंग, आलोक कुमार दूबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ राजेश गुप्ता, ऋषिकेश सिंह, अजय सिंह उपस्थित थे।

डबल इंजन की सरकार ने राज्य को गर्त में धकेल दिया

रांची। झारखंड विकास मोर्चा की प्रवक्ता प्रवक्ता सुनीता सिंह ने कहा है कि भाजपा ने राज्य को डबल इंजन सरकार के नाम पर गर्त में धकेल दिया है। रघुवर दास जी के नेतृत्व में राज्य की सारी व्यवस्था आईसीयू में पड़ी है। प्रदेश में देवबारा अगर रघुवर सरकार बनती है, तो इस राज्य का भगवान ही मालिक है। पिछले 5 वर्षों में डबल इंजन के नाम पर रघुवर सरकार ने जनभावना के साथ केवल खिलवाड़ किया है। राज्य सरकार के खतों में उपलब्धि के नाम पर राज्य को पिछड़ापन, बेरोजगारी, पलायन, भूखमरी, किसानों की आत्महत्या, महिलाओं

पर हिंसा, बिचैलियों की दादागिरी, पारा शिक्षक, आंगनबाड़ी, महिलाओं पर पुलिसिया अत्याचार आदि जुल्म के सिवाय कुछ भी दर्ज नहीं है। स्थिर सरकार के नाम पर बीजेपी राज्य की जनता को बरगलाने की कोशिश कर रही है। पिछले पांच वर्षों की रघुवर सरकार ने केवल अमीरों, बड़े पूंजीपतियों और कॉर्पोरेट घरानों के लिए काम किया। इनके एजेन्डे में गरीब, किसान मजदूर नहीं है, इनके साथ केवल दागाबी हुई है। वहीं मोमेन्टम झारखण्ड के नाम पर 900 करोड़ रूपया को पानी के जैसा बहाया गया। स्थिर सरकार ने नक्सलवाद खत्म होने का डंका पीटने वाले रघुवर

सरकार की पोल चुनाव आयोग ने पोल खोल दिया है।

बोकारो विस के निर्वाची पदाधिकारी को हटाया गया
रांची। चुनाव आयोग ने कर्तव्य निर्वाहन में लापरवाही बरतने के कारण चास के एसडीओ एवं बोकारो विधानसभा के निर्वाची पदाधिकारी विजय कुमार को निर्वाचन कार्य से हटा दिया है। उनकी जगह 2017 बैच के आईएएस अधिकारी शशि भूषण सिंह को पदस्थापित किया

भाजपा की सत्तालोलुपता उजागर हुई : दीपक लाल

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व आमंत्रित सदस्य दीपक लाल ने कहा है कि महाराष्ट्र में चल रहे सियासी उठापटक और सत्ता के लिए शह-मात के खेल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मैजिक फेल हो गया। अमित शाह की चाणक्य नीति भी कारगर नहीं हो सकी। महाराष्ट्र में सत्ता के खेल में भाजपा की सत्तालोलुपता उजागर हो गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने येन- केन- प्रकारेण लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ महाराष्ट्र की सत्ता पर

काबिज होने कि तिगड़म की थी, जो विफल हो गया। महाराष्ट्र प्रकरण में भाजपा के चाल, चेहरे और चरित्र को पूरी तरह उजागर कर दिया है। देश की जनता अब जान चुकी है कि भाजपा सत्ता हासिल करने के लिए लोकतंत्र की गला घोटने से भी गुरेज नहीं करती है। खरीद-फरोख्त की राजनीति के तहत महाराष्ट्र में जिस तरह भाजपा ने सियासी ड्रामा किया, इससे यह स्पष्ट जाहिर हो गया है कि भाजपा सत्ता हासिल करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।

संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों की गरिमा को तार-तार करते हुए भाजपा सिर्फ अपने स्वार्थ सिद्धि के लिए दूसरे दलों के विधायकों को अपने साथ मिलाने के लिए हॉर्स ट्रेडिंग का सहारा लेती रही है। इसके पूर्व भी झारखंड में सरकार बनाने के लिए भाजपा ने जो हथकंडे अपनाए थे, वह जगजाहिर है। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक ताकतों का सहारा लेते हुए भाजपा शुरू से ही लोकतांत्रिक व्यवस्था के विरुद्ध कार्य करती रही है।

आजसू पार्टी ने सातवीं सूची जारी की



रांची। आजसू पार्टी ने अपनी सातवीं सूची में सात प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की है। राजमहल विधानसभा सीट से मो. ताजुद्दीन, बरहेट से गैबलियल हेन्ब्रम, महेशपुर से सुफल मरांडी, जामा से स्टेफी टेरेसा मुर्मु, देवघर से संतोष पासवान, जमुआ सत्यनारायण दास और गांडेय अर्जुन बैठा को उम्मीदवार बनाया है।

भाजपा-कांग्रेस-आजसू के लिए प्रतिष्ठा बना लोहरदगा विस सीट

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के बीच मुकाबला, आजसू पार्टी की नीरू शांति भगत ने मुकाबले को बनाया त्रिकोणीय

रांची। झारखंड में पहले चरण में 30 नवंबर को 13 विधानसभा सीटों के लिए मतदान होना है। इस चरण में सूबे की सबसे हॉटकेक माने वाली लोहरदगा विधानसभा सीट पर सबकी नजर बनी हुई है। भाजपा-आजसू के बीच गठबंधन टूटने में लोहरदगा विधानसभा सीट भी एक प्रमुख कारण था, वहीं कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुखदेव भगत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. रामेश्वर उरांव के बीच भी मनमुटाव ब?ने का प्रमुख कारण भी यही सीट माना जा रहा है। लोहरदगा के विधायक और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सुखदेव भगत ने चुनाव की तिथि की घोषणा होने के कुछ ही दिन पार्टी छो? कर भाजपा की सदस्यता ली , जबकि वर्ष 2014 में इस सीट पर आजसू पार्टी ने जीत दर्ज की थी, ऐसे में आजसू पार्टी इस सीट पर भाजपा के लिए

अपना दावा छोड़ने की कतई तैयार नहीं थी। वर्ष 2009 और 2014 में चुनाव जीतने वाले आजसू पार्टी के कमल किशोर भगत की सदस्यता समाप्त हो जाने के बाद वर्ष 2015 में विधानसभा उपचुनाव हारने के बाद उनकी पत्नी नीरू शांति भगत पिछले कई महीनों से चुनाव की तैयारी में जुटी थी। लेकिन जब मुख्यमंत्री सुखदेव भगत के लिए इस सीट को लेकर अ? गये, तो भाजपा का आजसू पार्टी के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन टूट गया। इससे पहले कांग्रेस में रहने के दौरान सुखदेव भगत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. रामेश्वर उरांव के बीच मतभेद बढ़ते गये । रामेश्वर उरांव के अध्यक्ष बनने के बाद सुखदेव भगत को यह भय सताने लगा कि लोहरदगा से उनका टिकट कट सकता है, इस कारण समय रहते उन्होंने पाला बदल लिया। अब 30 नवंबर को होने वाले चुनाव को लेकर भाजपा प्रत्याशी के रूप में सुखदेव भगत, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और आजसू पार्टी की नीरू शांति भगत आमने-सामने हैं।

लोहरददगा का ऐतिहासिक महत्व धातु नगरी लोहरदगा दो शब्दों के मेल लोहार मतलब लोहे का व्यापारी और दगा मतलब केंद्र से बना है . इतिहास में यह इलाका लोहा गलाने का ब?ा केंद्र था इसलिए इसका नाम लोहरदगा प?ा। यह विधानसभा इलाका वनों - झरनों से आच्छादित है, जैन पुराणों के अनुसार भगवान् महावीर का भ्रमण भी इस इलाके में हुआ था , राजाओं के महलों के अवशेष इस निर्वाचन इलाके के ऐतिहासिक महत्त्व को बयान करते हैं। साल 2019 का विधानसभा चुनाव एक बार फिर सामने है और जनता के पास फिर मौका है जनादेश सुनाने का । लोहरदगा सीट पर भी पहले चरण में तीस नवम्बर को वोटिंग होगी । 2.44लाख मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग लोहरदगा विधानसभा सीट के लिए कुल 2.44लाख मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिसमें से 1.23 लाख पुरुष और 1.21लाख महिला शामिल है। इनमें से 6205 मतदाताओं की उम्र 18 से 19वर्ष के बीच है।

पूंजीपतियों की असल पार्टी कांग्रेस ही रही है : सुनील सिंह

रांची। भाजपा सांसद सह प्रदेश महामंत्री सुनील सिंह ने कांग्रेसी नेता आरपीएन सिंह के उस बयान को हास्यास्पद बताया है जिसमें उन्होंने भाजपा को पूंजीपतियों की पार्टी कहा है। आरपीएस सिंह का यह भी

कहना है कि ये लोग सिर्फ अपनी जेबें भरते हैं. जेबें भरने का काम कौन करता है ये जनता ही बतायेगी. श्री सिंह ने कहा कि पूंजीपतियों की असल पार्टी तो कांग्रेस ही रही है. कांग्रेस ने ही सामन्तवाद और

पूंजीवाद को प्रश्रय दिया. आजादी के बाद से ही कांग्रेस ने गरीबों, मजदूरों और कमजोर वर्गों का खून चूसने का काम किया है. भाजपा लोकतांत्रिक मूल्यों वाली पार्टी है. हमने गरीबों के पैसे से अपनी जेब

नहीं बल्कि देश और राज्य के विकास में लगाया है. कांग्रेस ने अपने 60 सालों के कार्यकाल में देश में केवल गरीबी, बेरोजगारी और भूखमरी ही दी है. इनकी करतूतों का फल आज पूरा देश झेल रहा है.

रांची के निर्दलीय उम्मीदवार पवन शर्मा 12 करोड़ की संपत्ति के मालिक

तीसरे चरण के चुनाव में नामांकन के अंतिम दिन पर्व दाखिल करने के लिए मची रही हो?, हजारों कार्यकर्ता पहुंचे

हजारीबाग से झाविमो प्रत्याशी मुन्ना सिंह के पास 19 करोड़ और कांग्रेस के उम्मीदवार व उनकी पत्नी के पास 14.46 की संपत्ति

रांची। तीसरे चरण की 17 सीटों पर चुनाव के लिए नामांकन का मंगलवार को अंतिम दिन था। भाजपा, झामुमो, कांग्रेस, आजसू पार्टी समेत विभिन्न दलों के

दर्जनों प्रत्याशियों ने नामांकन किया। बुधवार को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी होगी। प्रत्याशियों के शपथ पत्र के आधार हजारीबाग के झाविमो प्रत्याशी मुन्ना सिंह 19 करोड़ और रांची के निर्दलीय प्रत्याशी पवन शर्मा 12 करोड़ के मालिक हैं, वहीं कांके के भाजपा उम्मीदवार समरी लाल के पास 15 लाख की संपत्ति है। इसी तरह कांग्रेस के हजारीबाग उम्मीदवार डॉ रामचंद्र प्रसाद और उनकी पत्नी की संपत्ति करीब 14.56 करोड़ है। रांची से आजसू पार्टी की उम्मीदवार वर्षा गाड़ी 52.50 लाख की संपत्ति की

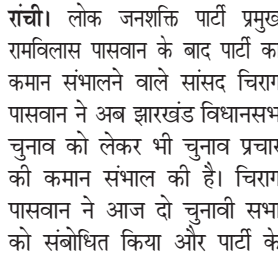
मालिक हैं। अब तक जिन प्रत्याशियों ने नामांकन किया है, उसमें राजद के कोडरमा प्रत्याशी सुभाष यादव सबसे अमीर हैं। भाजपा प्रत्याशी लक्ष्मण प्रसाद सिंह की पत्नी भी करोड़पति धनवार सीट से भाजपा प्रत्याशी लक्ष्मण प्रसाद सिंह करोड़पति हैं। उनकी संपत्ति पांच सालों में लगभग दोगुनी बढ़ी। पत्नी कुमार लक्ष्मी भी करोड़पति हैं। शपथपत्र के आधार पर उनके पास 70 लाख की चल और 2.45 करोड़ की अचल संपत्ति है। पांच साल पहले उन्होंने अपनी चल संपत्ति 19.60 लाख और अचल

संपत्ति 1.10 करोड़ बताई थी। पत्नी के पास 56 लाख की चल और 3.84 करोड़ की अचल संपत्ति है। पांच साल पहले पत्नी के पास 1 करोड़ की चल और 2.62 करोड़ की अचल संपत्ति थी।

विनोद 10.50 लाख के मालिक चिरंची लखपती से करोड़पति

बगोदर विधानसभा से भाकपा माले प्रत्याशी विनोद कुमार सिंह के पास नकद 7,360 रुपया है। जबकि बैंक में 1.20 लाख रुपए हैं। उनके पास एक

राइफल भी है। विनोद के पास 9.15 लाख रुपए की अचल संपत्ति है। उनपर तीन केस दर्ज हैं। बोकारो से भाजपा प्रत्याशी बिरंची नारायण पांच साल में लखपति से करोड़पति बने, जबकि इसी अवधि में पत्नी की संपत्ति लगभग तीन गुना बढ़ी। सोमवार को नामांकन के बाद सीपे शपथपत्र में उन्होंने कुल 1.35 करोड़ संपत्ति बताई है। नामांकन के दौरान कांके से भाजपा प्रत्याशी समरी लाल। साथ में रांची के सांसद संजय सेठ व डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय।



रांची। लोक जनशक्ति पार्टी प्रमुख रामविलास पासवान के बाद पार्टी का कमान संभालने वाले सांसद चिराग पासवान ने अब झारखंड विधानसभ चुनाव को लेकर भी चुनाव प्रचार की कमान संभाल की है। चिराग पासवान ने आज दो चुनावी सभा को संबोधित किया और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान के पक्ष में जनसभा को संबोधित करने के लिए भी वे जल्द ही जरमुंडी आएंगे। चिराग पासवान आज नई दिल्ली से रांची पहुंचे और हेलीकॉप्टर से हुसैनाबाद और भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित किया। लोजपा ने भवनाथपुर से रेखा चौबे को



उम्मीदवार बनाया है, वहीं हुसैनाबद से अनंत प्रताप सिंह चुनाव मैदान में हैं। इस दौरे के क्रम में चिराग पासवान ने झारखंड में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन, एनडीए के घटक दलों के बीच सहमति नहीं बन पाने के लिए भाजपा नेतृत्व को जिम्मेवार ठहराया। चिराग पासवान के साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता महबूब अली कैशर भी चुनाव प्रचार के

लिए झारखंड पहुंचे हैं। इससे पहले चिराग पासवान के रांची पहुंचने पर हवाई अड्डे पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। स्वागत करने वालों में बीणा देवी, प्रदेश मीडिया प्रभारी अजय कुमार मिश्रा, प्रदेश प्रवक्ता उमेश तिवारी, राणा प्रधान, प्रदेश सचिव ऋषिकेश राय समेत अन्य नेता उपस्थित थे।

हर नागरिक संविधान से मिले मौलिक दायित्वों का निर्वहन करें : मुख्य सचिव

संविधान दिवस पर सचिवालय में प्रस्तावना की शपथ दिलाई व मौलिक कर्तव्यों की दी गयी जानकारी

संवाददाता

रांची : मुख्य सचिव डॉ डी के तिवारी ने कहा कि संविधान राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोता है। देश के हर नागरिक को मौलिक दायित्वों का जानकारी रखना आवश्यक है। देश के संविधान की बढौलत ही मजबूत लोकतंत्र और अखंड भारत का निर्माण हुआ।भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीम राव अम्बेडकर की अगुवाई में भारत का संविधान तैयार हुआ। उन्होंने देश को एक सूत्र में बांधने का काम किया है। उक्त बातें मुख्य सचिव ने आज झारखंड मंत्रालय के प्रांगण में संविधान दिवस के अवसर पर सभी पदाधिकारी, अधिकारी, कर्मोंगण को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाने से पहले अपने संबोधन में कहीं।



मुख्य सचिव डॉ डी के तिवारी ने कहा कि समाज में सभी लोगों का मौलिक दायित्व होता है। भारत का संविधान सभी लोगों के लिए समान कानून और समान

अधिकार का आधार है। देश के हर नागरिक को संविधान से मिले अपने मौलिक अधिकारों का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में समान कानून और

संविधान देना एक बड़ी चुनौती थी परंतु भारत रत्न एवं महान समाज सुधारक बाबा साहेब ने अथक मेहनत और प्रयास कर एक समतामूलक संविधान की रचना



की और देश को एक सूत्र में जोड़े रखने का काम किया।

उन्होंने कहा कि आज का दिन शपथ लेने का दिन है कि हम सब देश के लोकतंत्र की मजबूती के

लिए काम करें जिससे संविधान निर्माता डॉ भीम राव अम्बेडकर का सपना साकार होगा। मुख्य सचिव ने संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई और हमारे

मौलिक कर्तव्यों की जानकारी दी।

कार्यक्रम में मुख्य सचिव डॉ डीके तिवारी ने संविधान की प्रस्तावना को पढ़ा। प्रांगण में उपस्थित सभी पदाधिकारी

अधिकारी एवं कर्मियों ने संविधान की प्रस्तावना को दोहराया। मुख्य सचिव ने संविधान में प्रावधान किए गए 11 मौलिक कर्तव्यों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अगले एक साल में एक कैलेंडर के तहत इसके संबंध में सभी नागरिकों को जानकारी दिए जाने और जागरूक करने के लिए अभियान चलाया जाएगा।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव सह विकास आयुक्त सुखदेव सिंह, अपर मुख्य सचिव सह वित्त सचिव केके खडेलवाल, प्रधान सचिव स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग एपी सिंह, प्रधान सचिव विधि विभाग प्रदीप श्रीवास्तव, कैबिनेट सचिव अजय कुमार सिंह, सहित सभी वरीय पदाधिकारी एवं कर्मोंगण उपस्थित थे।

संविधान के प्रस्तावना में संविधान का मूल उद्देश्य हर प्रेरणा का स्रोत : वर्णवाल

रांची : संविधान अधिकार व स्वतंत्रता की बात करता है। यह बड़ा मार्गदर्शक है। यह हमारी जिम्मेवारी भी तय करता है। हमें देश व अपने राष्ट्र के प्रति कैसा व्यवहार करना चाहिए। हमें अपने मानस पटल पर संविधान में अंकित 11 मौलिक कर्तव्यों को अपने मानस पटल पर रखना चाहिए। यह जिम्मेवारी व कर्तव्यों का बोध कराता है। इस के सहयोग से देश के लिए हम बहुत कुछ कर सकते हैं। आज के दिन हम संकल्प लें पूरे साल संविधान के प्रति निष्ठा बनाए रखेंगे। ये बातें सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव डॉ सुनील कुमार वर्णवाल ने कही। डॉ वर्णवाल सूचना भवन सभागार में 70 वें संविधान दिवस पर आयोजित



कार्यक्रम में बोल रहे थे।

मौलिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना है उद्देश्य : डॉ वर्णवाल ने बताया कि संविधान दिवस को पूर्व में विधि दिवस के रूप में माना जाता था। लेकिन भारत सरकार ने निर्णय लिया कि संविधान के महत्व को हर व्यक्ति तक पहुंचाना है। इसलिए संविधान दिवस के आयोजन की शुरुआत हुई। संविधान निर्माता डॉ भीमराव

अम्बेडकर के योगदान और महत्व को भी स्मरण किया जाना चाहिए। उन्हें भी आज के दिन याद रखने की जरूरत है। डॉ वर्णवाल ने कहा कि आजादी के बाद खुद का संविधान के लिए इसकी रूपरेखा तैयार हुई। संविधान पर चर्चा हुई। विविधताओं को ध्यान में रखकर इसे अंतिम रूप दिया गया। सभी प्रकार की विविधताओं की परिकल्पना को इसमें शामिल किया गया।

कांग्रेस का पत्ता साफ होने वाला है : प्रतुल शाहदेव

रांची : भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कांग्रेसी नेता सुबोधकांत सहाय के उस बयान पर जिसमें उन्होंने कहा है कि ईवीएम में खेल हुआ तो इसके गम्भीर परिणाम होंगे पर पलटवार करते हुए कहा कि सुबोधकांत सहाय को पता है कि इस चुनाव में कांग्रेस का पता साफ होने वाला है। इसीलिए वे अभी से ही ईवीएम में खेल जैसी बातें कर रहे हैं। इसलिए सुबोधकांत हार का ठेकरा ईवीएम पर फोड़ रही है। कांग्रेस को अब जनता समझ चुकी है की कांग्रेस न तो देश का भला कर सकती है और न ही राज्य का। सुबोधकांत सहाय ने यह भी कहा है कि भाजपा और रघुवर दास का अहंकार टूटने वाला है, इसपर श्री



शाहदेव ने कहा कि न तो भाजपा और न ही मुख्यमंत्री रघुवर दास अहंकारी है। अहंकार कांग्रेस को था, इसीलिए उसका पतन हुआ। उन्होंने कहा कि सुबोध जी अपनी चिंता करें, कांग्रेस एक हारी हुई पार्टी है और सुबोधकांत जी जनता ने ही नकार चुकी है। राज्य की जनता कांग्रेस पार्टी की मनसूबों को जान चुकी है। जनता जानती है कि इस पार्टी ने जितने भी वादे की उनमे से एक भी वादे पूरे नहीं हुए।

पहले चरण का रुझान भाजपा के लिए सकारात्मक : नेताम



रांची : भाजपा झारखंड प्रदेश के सह प्रभारी रामविचार नेताम ने कहा कि विधानसभा चुनाव के पहले चरण में जो रुझान आ रहे हैं वह काफी सकारात्मक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह सहित पार्टी के वरीय नेताओं के दौरे के बाद पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच उत्साह बढ़ा है। इन सभाओं में जनता की जो भीड़ उमड़ी है, उससे साफ संकेत मिलते हैं कि झारखंड में भाजपा फिर से सत्ता में आ रही है। राम विचार नेताम ने उक्त बातें मंगलवार को भाजपा के मीडिया सेंटर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहीं। उन्होंने कहा कि पिछले 5 सालों में सरकार ने जनता से जुड़कर काम किया है जिससे विकास के काम में गति आई है। सरकार में मंत्रिमंडल के किसी भी सहयोगी पर भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगे हैं। नेताम ने कहा कि कुछ ऐसे लोग हैं जो झारखंड में माहौल खराब कर रहे हैं ऐसे लोगों को भाजपा पर आरोप लगाने से पहले अपने गिरेबां में झांकना चाहिए। यह हास्यास्पद स्थिति है कि जो खुद भ्रष्टाचार में आकट डूबे हैं वह हम पर आरोप लगा रहे हैं। नेताम ने पिछले 5 सालों में सरकार के द्वारा हासिल उपलब्धियों की विशेष रूप से चर्चा की और कहा कि भाजपा वोट बैंक की राजनीति नहीं करती। गरीबों, मजदूरों, नौजवानों के लिए काम किया। उन्होंने कहा भाजपा ने और एनडीए सरकार ने पहली बार अनुसूचित जनजाति आयोग बनाया। यूपीए सरकार के

समय आदिवासी कल्याण मंत्रालय का बजट 4000 करोड़ रुपये था, हम लोगों ने इसे 6900 करोड़ का किया। एकलव्य विद्यालय को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया गया जहां पढ़ाई के साथ-साथ कैम्पसटी बिल्डिंग, कोचिंग की भी व्यवस्था की गई। रघुवर दास की सरकार बनी, तो देश की आजादी के लिए शहीद होने वाले महापुरुषों की जन्मस्थली का विकास करने का निर्णय लिया गया। एक भव्य संग्रहालय का निर्माण कराया जा रहा है जहां राज्य के महापुरुषों की मूर्तियां स्थापित होंगी।नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, शौचालयों का निर्माण, आयुष्मान भारत जैसी कई योजनाओं को धरातल पर उतारा गया। पूरे राज्य में 5 लाख आवासों का निर्माण किया गया। सरकार ने पिछले 5 सालों में 5 मेडिकल कॉलेजों के निर्माण का निर्णय लिया इनमें से तीन का निर्माण पूरा हो चुका है जबकि दो का निर्माण अभी जारी है। देवघर में ऐम्स का काम शुरू हुआ है।

प्रेसवार्ता के दौरान भाजपा अनुसूचित जनजाति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अरुण उरांव ने कहा कि पिछले 5 सालों में राज्य के सभी क्षेत्रों को सड़कों से जोड़ा गया है। इससे राज्य की ग्रामीण जनता को काफी लाभ मिला। अब ग्रामीण अपनी उपज खेतों से सीधे बाजार तक पहुंचा सकते हैं वहीं मेडिकल इमरजेंसी आने पर उन्हें स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचने में सुविधा हो रही है।

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनय कुमार चौबे ने बताया कि विधानसभा चुनाव को लेकर अभ्यर्थी को मतदान के दिन सभी मतदान केंद्रों पर मतदान अधिकर्ता नियुक्त करने की अनुमति भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दी गई है। मतदान अधिकर्ता का काम मतदान केंद्र में अपने अभ्यर्थी के हितों की रक्षा करने के साथ पीठासीन पदाधिकारी और मतदान पदाधिकारियों को मतदान का निर्बाध संचालन में सहयोग करना है। मतदान अधिकर्ता मतदान शुरू होने के एक घंटा पहले मतदान केंद्र पहुंचकर छद्म मतदान में भाग लेंगे और यह देखें कि ईवीएम समुचित तरीके से कार्य कर रहा है अथवा नहीं। उन्होंने कहा कि मतदान अधिकर्ता को अपने कार्यों को स्पष्ट रूप से जानकारी होनी चाहिए तथा विधि की सरकार बनी, तो देश की आजादी के लिए शहीद होने वाले महापुरुषों की जन्मस्थली का विकास करने का निर्णय लिया गया। एक भव्य संग्रहालय का निर्माण कराया जा रहा है जहां राज्य के महापुरुषों की मूर्तियां स्थापित होंगी।नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, शौचालयों का निर्माण, आयुष्मान भारत जैसी कई योजनाओं को धरातल पर उतारा गया। पूरे राज्य में 5 लाख आवासों का निर्माण किया गया। सरकार ने पिछले 5 सालों में 5 मेडिकल कॉलेजों के निर्माण का निर्णय लिया इनमें से तीन का निर्माण पूरा हो चुका है जबकि दो का निर्माण अभी जारी है। देवघर में ऐम्स का काम शुरू हुआ है।

संभव हो तो मतदान अधिकर्ता को अपनी नियुक्ति पत्र पर अभ्यर्थी अथवा उसके निर्वाचन अधिकर्ता की उपस्थिति में हस्ताक्षर करना चाहिए। ऐसा नियुक्त पत्र मतदान केंद्र में प्रस्तुत करने हेतु मतदान अधिकर्ता को सौंपा जाएगा, ताकि पीठासीन पदाधिकारी उसे मतदान केंद्र में प्रवेश करने की अनुमति दे। मतदान अधिकर्ता को मतदान केंद्र में पीठासीन अधिकारी की उपस्थिति में पुनः हस्ताक्षर करना होगा।

मतदान अधिकर्ता के लिए अर्हताएं : श्री चौबे ने बताया कि विधि में किसी व्यक्ति को मतदान अधिकर्ता के रूप में नियुक्त करने के लिए अर्हता विहित नहीं की गई है तथापि, यह अभ्यर्थी के हित में होगा यदि वह किसी ऐसे व्यक्ति को नियुक्त करेगा जो उसके मतदान अधिकर्ता के रूप में कार्य करने के लिए व्यक्त तथा परिष्कृत हो ताकि, उसके हितों की समुचित देखभाल हो सके। मतदान अधिकर्ता केके पास ईपीआईसी या ईआरओ-बीएलएओ द्वारा जारी फोटो मतदाता पची अथवा आयोग द्वारा विहित कोई वैकल्पिक पहचान पत्र हो। उन्होंने बताया कि कोई भी सरकारी सेवक किसी भी अभ्यर्थी के मतदान अधिकर्ता के रूप में कार्य नहीं कर सकता है। यदि वह ऐसा करता है तो उसे एक अवधि का कारावास जिसे 3 माह तक बढ़ाया जा सकता है अथवा जुर्माना या दोनों सजा दी जा

सकती है। **राज्य के खर्च पर सुरक्षा कवर प्राप्त व्यक्ति नहीं हो सकता मतदान अधिकर्ता :** मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि कोई मंत्री अथवा कोई अन्य व्यक्ति जिसे राज्य के खर्च पर सुरक्षा कवर दिया जाता हो को मतदान अधिकर्ता के रूप में कार्य करने की अनुमति नहीं दी जाती है क्योंकि उसे न तो अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ मतदान केंद्र में प्रवेश करने की अनुमति दी जा सकती है, न ही उसे सुरक्षा कवर के बगैर ही मतदान केंद्र में प्रवेश करने की अनुमति देकर उसकी सुरक्षा को खरे में डाला जा सकता है। मंत्रियों अथवा राजनीतिक ओहदेदारों के साथ रहने वाले सुरक्षाकर्मियों को मतदान केंद्र के भीतर प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। वे मतदान केंद्र के द्वार पर प्रतीक्षारत रह सकते हैं, किन्तु वे इस अवधि के दौरान मतदाताओं की पहचान नहीं करेंगे अथवा उनकी



सकती है। **राज्य के खर्च पर सुरक्षा कवर प्राप्त व्यक्ति नहीं हो सकता मतदान अधिकर्ता :** मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि कोई मंत्री अथवा कोई अन्य व्यक्ति जिसे राज्य के खर्च पर सुरक्षा कवर दिया जाता हो को मतदान अधिकर्ता के रूप में कार्य करने की अनुमति नहीं दी जाती है क्योंकि उसे न तो अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ मतदान केंद्र में प्रवेश करने की अनुमति दी जा सकती है, न ही उसे सुरक्षा कवर के बगैर ही मतदान केंद्र में प्रवेश करने की अनुमति देकर उसकी सुरक्षा को खरे में डाला जा सकता है। मंत्रियों अथवा राजनीतिक ओहदेदारों के साथ रहने वाले सुरक्षाकर्मियों को मतदान केंद्र के भीतर प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। वे मतदान केंद्र के द्वार पर प्रतीक्षारत रह सकते हैं, किन्तु वे इस अवधि के दौरान मतदाताओं की पहचान नहीं करेंगे अथवा उनकी

सकती है। **राज्य के खर्च पर सुरक्षा कवर प्राप्त व्यक्ति नहीं हो सकता मतदान अधिकर्ता :** मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि कोई मंत्री अथवा कोई अन्य व्यक्ति जिसे राज्य के खर्च पर सुरक्षा कवर दिया जाता हो को मतदान अधिकर्ता के रूप में कार्य करने की अनुमति नहीं दी जाती है क्योंकि उसे न तो अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ मतदान केंद्र में प्रवेश करने की अनुमति दी जा सकती है, न ही उसे सुरक्षा कवर के बगैर ही मतदान केंद्र में प्रवेश करने की अनुमति देकर उसकी सुरक्षा को खरे में डाला जा सकता है। मंत्रियों अथवा राजनीतिक ओहदेदारों के साथ रहने वाले सुरक्षाकर्मियों को मतदान केंद्र के भीतर प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। वे मतदान केंद्र के द्वार पर प्रतीक्षारत रह सकते हैं, किन्तु वे इस अवधि के दौरान मतदाताओं की पहचान नहीं करेंगे अथवा उनकी

करेंगे कि मतदान केंद्र में प्रयुक्त की जा रही कंट्रोल यूनिट, बेलेट यूनिट तथा ईवीएम के ड्राप बॉक्स वाले प्रिंटर रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा दिए गए ब्यूँरे के अनुरूप हों। **मतदान केंद्रों पर मतदान अधिकर्ता का रोल :** मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि मतदान शुरू होने के लिए निर्धारित समय से कम से कम एक घंटा पूर्व मतदान अधिकर्ता को मतदान केंद्र में पहुंच जाना है। यह मतदान अधिकर्ता को उस समय उपस्थित रहने में सहायता करने के लिए है जब पीठासीन पदाधिकारी वास्तविक मतदान प्रक्रिया शुरू होने के पूर्व छद्म मतदान सहित प्रारंभिक तैयारी का जायजा लेता हो। साथ ही मतदान अधिकर्ता को पीठासीन पदाधिकारी द्वारा एक पास दिया जाएगा, जिसके प्राधिकार पर वह जब भी आवश्यक हो, मतदान केंद्र के भीतर या बाहर जा सकेगा। **मतदान अधिकर्ताओं द्वारा बैज लगाया जाना :** मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि मतदान केंद्र के भीतर अथवा उससे 100 मीटर के दायरे में मतदान अधिकर्ता को ऐसा कोई भी बैज नहीं लगाना है, जिसपर किसी दल के नेता को फोटो हो अथवा किसी दल का झंडा अथवा निर्वाचन चिन्ह हो। यहि कोई मतदान अधिकर्ता इसका उल्लंघन करता है तो लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा-130 के तहत निर्वाचन संबंधी अपराध



अधिकारियों-कर्मचारियों को शपथ दिलाते डीडीसी अनन्य मित्तल।

आया। डॉ भीमराव अम्बेडकर को भारत के संविधान का जनक कहा जाता है। संविधान सभा को

इसे तैयार करने में 2 साल 11 महीने 18 दिन का लंबा समय लगा था।

मतदान अभिकर्ता एक घंटा पहले पहुंचेंगे मतदान केंद्र, मॉक पोल में लेंगे भाग

करेंगे कि मतदान केंद्र में प्रयुक्त की जा रही कंट्रोल यूनिट, बेलेट यूनिट तथा ईवीएम के ड्राप बॉक्स वाले प्रिंटर रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा दिए गए ब्यूँरे के अनुरूप हों। **मतदान केंद्रों पर मतदान अधिकर्ता का रोल :** मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि मतदान शुरू होने के लिए निर्धारित समय से कम से कम एक घंटा पूर्व मतदान अधिकर्ता को मतदान केंद्र में पहुंच जाना है। यह मतदान अधिकर्ता को उस समय उपस्थित रहने में सहायता करने के लिए है जब पीठासीन पदाधिकारी वास्तविक मतदान प्रक्रिया शुरू होने के पूर्व छद्म मतदान सहित प्रारंभिक तैयारी का जायजा लेता हो। साथ ही मतदान अधिकर्ता को पीठासीन पदाधिकारी द्वारा एक पास दिया जाएगा, जिसके प्राधिकार पर वह जब भी आवश्यक हो, मतदान केंद्र के भीतर या बाहर जा सकेगा। **मतदान अधिकर्ताओं द्वारा बैज लगाया जाना :** मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि मतदान केंद्र के भीतर अथवा उससे 100 मीटर के दायरे में मतदान अधिकर्ता को ऐसा कोई भी बैज नहीं लगाना है, जिसपर किसी दल के नेता को फोटो हो अथवा किसी दल का झंडा अथवा निर्वाचन चिन्ह हो। यहि कोई मतदान अधिकर्ता इसका उल्लंघन करता है तो लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा-130 के तहत निर्वाचन संबंधी अपराध

माना जाएगा। तथापि, यदि इच्छा हो तो मतदान अभिकर्ता एक छोटा बैज लगा सकता है, जिसपर अभ्यर्थी का नाम प्रदर्शित हो, जिसके लिए आप मतदान अभिकर्ता के रूप में कार्य कर रहे हैं। **सेल्यूलर फोन, कोर्डलेस फोन/ वायरलेस सेट ले जाने की अनुमति नहीं :** मतदान अधिकर्ताओं को मतदान केंद्रों के 100 मीटर की परिधि तथा बूथ के अंदर सेल्यूलर फोन, कोर्डलेस फोन, वायरलेस सेट इत्यादि के इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं होगी। प्रेक्षक, सूक्ष्म प्रेक्षक, पीठासीन पदाधिकारी, सेक्टर ऑफिसर और सुरक्षाकर्मों को अपने मोबाइल फोन को साइलेंट मोड में ले जाने की अनुमति होगी। **पीठासीन पदाधिकारी तय करेंगे मतदान अधिकर्ताओं के बैठने सीट :** मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि पीठासीन पदाधिकारी, मतदान अधिकर्ताओं को ऐसे स्थानों पर बैठने के लिए सीटें प्रदान करेगा जहां से वे निम्नचक्रों की पहचान करने तथा समग्र प्रक्रिया विशेषकर उस मंच पर जहां वोटिंग मशीन की कंट्रोल यूनिट रखी होगी। साथ ही मतदान अधिकर्ता को पीठासीन पदाधिकारी द्वारा अलॉट सीटों पर रहना होगा और मतदान केंद्र के भीतर अनावश्यक रूप से इधर-उधर नहीं घूमना होगा। इसके अलावा मतदान केंद्र के भीतर धूम्रपान निषिद्ध होगा।

पहले चरण : 97 फीसदी मतदाताओं के घर वोटर्स स्लिप की डिलीवरी पूरी

रांची : राज्य के अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कृपानंद झा ने बताया कि 30 नवंबर को पहले चरण में 13 सीटों पर होनेवाले मतदान को लेकर लगभग 97 प्रतिशत मतदाताओं के घरों पर फोटोयुक्त वोटर्स स्लिप की डिलीवरी की जा चुकी है। अगर किसी मतदाता को अवतक घर पर फोटोयुक्त वोटर्स स्लिप नहीं मिला है तो वे हेल्पलाइन नंबर -1950 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

आचार संहिता के उल्लंघन से संबंधित 66 प्राथमिकी दर्ज

संवाददाता

रांची : एक नवंबर को विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही पूरे राज्य में आचार संहिता प्रभावी है। इस सिलसिले में आचार संहिता उल्लंघन को लेकर दर्ज होने वाली प्राथमिकी की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। 25 नवंबर तक इस बाबत 66 प्राथमिकी दर्ज कराई जा चुकी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनय कुमार चौबे ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 15 नवंबर तक कुल 29

प्राथमिकी और 21 नवंबर तक 50 दर्ज की गई थी। **सबसे ज्यादा पूर्वी सिंहभूम और पलामू में दर्ज हुई है प्राथमिकी :** मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि सबसे ज्यादा 14-14 प्राथमिकी पूर्वी सिंहभूम और पलामू जिले में दर्ज की गई हैं। इसके अलावा धनबाद में 4, गढ़वा में 11, गिरिडीह में 5, रांची में 2, बोकारो में 5, सरायकेला-खरसावां में 1, जामताड़ा में 1, सिमडेगा में 1 और लोहरदगा में 2, पाकुड़ में 1, गुमला में 1, कोडरमा में 1, साहेबगंज में 2, गोड्डा में 2 और रामाढ़ में 3 प्राथमिकी दर्ज की गई है।

सी-विजिल पर रांची से सबसे ज्यादा 309 शिकायतें मिलीं : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि सी-विजिल पर आचार संहिता उल्लंघन को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही हैं। अबतक सी-विजिल पर 1273 शिकायतें मिल चुकी हैं। इसमें बोकारो में 49, चतरा में 43, देवघर में 22, धनबाद में 134, दुमका में 73, पूर्वी सिंहभूम में 75, गढ़वा में 76, गिरिडीह में 29, गोड्डा में 26, गुमला में 40, हजारीबाग में 39, जामताड़ा में 12, खूंटी में 48, कोडरमा में 105, लातेहार में 20, लोहरदगा में 21, पाकु? में 38,

पलामू में 40, रामग? में 17, रांची में 309, साहेबगंज में 9, सरायकेला-खरसावां में 13, सिमडेगा में 12 और पश्चिमी सिंहभूम में 23 शिकायतें मिली हैं। इनमें से 88 शिकायतें सही पाई गई हैं। उन्होंने यह भी बताया कि दो मामलों को छोड़कर बाकी सभी का निष्पादन कर दिया गया है। ज्ञात हो कि 21 नवंबर तक सी-विजिल पर आचार संहिता उल्लंघन की 1081 शिकायतें दर्ज कराई गई थी। इस तरह पिछले पांच दिनों में सी-विजिल पर दर्ज मामलों की संख्या में 192 का इजाफा हुआ है।

पलामू में 40, रामग? में 17, रांची में 309, साहेबगंज में 9, सरायकेला-खरसावां में 13, सिमडेगा में 12 और पश्चिमी सिंहभूम में 23 शिकायतें मिली हैं। इनमें से 88 शिकायतें सही पाई गई हैं। उन्होंने यह भी बताया कि दो मामलों को छोड़कर बाकी सभी का निष्पादन कर दिया गया है। ज्ञात हो कि 21 नवंबर तक सी-विजिल पर आचार संहिता उल्लंघन की 1081 शिकायतें दर्ज कराई गई थी। इस तरह पिछले पांच दिनों में सी-विजिल पर दर्ज मामलों की संख्या में 192 का इजाफा हुआ है।

दिनेश्वरीनगर। भारतीय संविधान दुनिया का सबसे बड़ा संविधान है। दुनिया के सभी संविधान को परखने के बाद इसे बनाया गया है। इसमें सभी सभी चीजों का समावेश है। यह लिखित और विस्तृत है। भारतीय संविधान हम भारत के लोगों को सभ्य और सभ्य तरीके से रहने में मदद करता है। ऐसा प्रावधान किया गया है कि सभी व्यक्ति सरकार बन सकते हैं। इसमें लोकतंत्र और प्रजातंत्र को सारगर्भित किया गया है। यहाँ बातें जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त डॉ. शान्तनु कुमार अग्रवाल ने कही। वे संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवंबर 2019 को आयोजित कार्यक्रम में बोले रहे थे। डिआरडी सभागार में आयोजित संविधान दिवस कार्यक्रम में उपायुक्त के साथ सभी पदाधिकारी व कर्मियों ने संविधान का प्रस्तावना पढ़ा। उपायुक्त ने कहा कि भारतीय संविधान सरल भाषा में है, जो सभी चीजों को प्रदर्शित करता है। भारत के लोगों में इसका बड़ा महत्व है। प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को संविधान के प्रति सचेत करना, समाज में संविधान के महत्व का प्रचार-प्रसार करना है। यह मानवता के लिए निदेशिका है। इसके महत्व सभी को समझना आवश्यक है। उपायुक्त ने एकजुटता/समाज व समुदाय के जीवन में एकजुटता के साथ रहने के महत्व बताए। उप विकास आयुक्त बिंदु माधव प्रसाद सिंह ने संविधान दिवस के अवसर पर विषय प्रवेश कराते हुए कहा कि आज की तिथि बहुत ही महत्वपूर्ण है। भारतीय संविधान 26 नवंबर 1949 को बनकर तैयार हुआ। भारत का संविधान 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में बनकर तैयार हुआ। 26 नवंबर 1949 को इसे पूर्ण कर राक्ष को समर्पित किया गया। भारतीय संविधान सर्वोपरि है। इसे लेकर हम सभी को एकजुट रहना चाहिए। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. जॉन एफ केनेडी, सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक शत्रुंजय कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक संजय श्रीवास्तव, सामान्य शाखा प्रभारी मंशु तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी, कर्मी उपस्थित थे।



महाराष्ट्र सरकार का भविष्य

आनन-फानन बनी महाराष्ट्र की नई सरकार के खिलाफ उच्चतम न्यायालय पहुंचे दलों को तत्काल कोई राहत नहीं मिल सकी। सुनवाई के बाद सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इस मामले में फैसला सुरक्षित रख लेने का एक मतलब यह भी है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार को बहुमत साबित करने की तैयारी के लिए कुछ और समय मिल गया। फिलहाल माना यही जा रहा है कि सर्वोच्च न्यायालय अपने फैसले में फडनवीस सरकार को बहुमत साबित करने के लिए निर्देशित कर सकता है। देखना है कि वह फडनवीस सरकार को कितने समय की मोहलत देता है? उच्चतम न्यायालय का फैसला जो भी हो, अभी यह जानने का कोई उपाय नहीं कि किसका पलड़ा भारी है? भले ही अजीत पवार के साथ आए विधायकों में से अधिकांश शरद पवार के पास लौट गए हों, लेकिन यह कहना कठिन है कि बहुमत परीक्षण की स्थिति में वे किसके हिसाब से चलेंगे-शरद पवार के हिसाब से या अजीत पवार के हिसाब से? इसे लेकर संशय इसलिए भी है, क्योंकि जहां शरद पवार खेमा कह रहा है कि करीब-करीब सभी विधायक उनके साथ हैं, वहीं अजीत पवार कह रहे हैं कि उनकी सरकार बहुमत साबित करने में समर्थ रहेगी। उनका दावा है कि शरद पवार का भी आशीर्वाद उनके साथ है। पता नहीं ऐसा है या नहीं, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि फडनवीस सरकार को सविधा देने में अजीत पवार के साथ निर्दलीय विधायकों की भी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। आने वाले दिनों में महाराष्ट्र में जोड़-तोड़ की राजनीति चाहे जो शक्ल ले, लेकिन जो लोग कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस और शिवसेना की बेमेल सरकार बनते देख राहत की सांस ले रहे थे, वे अजीत पवार संग भाजपा की सरकार को लेकर शिकायत दर्ज कराने के अधिकारी नहीं रह गए हैं। उन्हें समझना चाहिए कि भाजपा से शिवसेना की दगाबाजी के साथ ही महाराष्ट्र में जोड़-तोड़ से सरकार बनना सुनिश्चित हो गया था। यह सही है कि शिवसेना के नेतृत्व में बनने वाली सरकार में भी अजीत पवार उपमुख्यमंत्री बनते, लेकिन शायद उन्होंने पाया कि उसकी तुलना में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ज्यादा स्थिर होगी। यह मानने के भी अच्छे-भले कारण हैं कि वह शरद पवार की छत्रछाया से बाहर आने का अवसर खोज रहे थे। उनकी राजनीतिक रणनीति और महत्वाकांक्षा का जो भी हश्त्र हो, शिवसेना के साथ कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेताओं को राजनीतिक नैतिकता का उपदेश देने का कोई अधिकार नहीं। सब जानते हैं कि इन दलों के नेता जो कर रहे थे, वह घोर अवसरवाद ही था।

चीन की गांठ हॉंग कॉन्ग

हॉंग कॉन्ग में छह महीने से जारी अभूतपूर्व विरोध प्रदर्शनों के बीच वहां हुए स्थानीय चुनावों के नतीजे इन प्रदर्शनों के संदेश को और आगे ले जाने वाले साबित हुए हैं। रविवार को हुई 70 फीसदी से ज्यादा वोटिंग यह बताने के लिए काफी थी कि लोग इसे स्थानीय निकायों के एक सामान्य चुनाव के रूप में नहीं देख रहे थे। उन्होंने हालिया विरोध प्रदर्शनों और उनसे निपटने के शासन के तरीके को गंभीरता से लेते हुए इस पर अपनी सख्त टिप्पणी अपने वोटों के जरिए दी। नतीजा यह रहा कि कुल 18 में से 17 जिला परिषदों पर ऐसे उम्मीदवारों का कब्जा हो गया जो लोकतंत्र समर्थक माने जाते हैं और प्रदर्शनकारियों के पक्ष में हैं। ये जिला परिषदें आम तौर पर बसों के रूट तय करने जैसे लोकल मसले ही देखती हैं, लेकिन पार्श्वों की एक जिम्मेदारी ऐसी है जो इन चुनावों की प्रकृति को नितांत स्थानीय नहीं रहने देती। यही निर्वाचित पार्श्व अपने बीच से 117 सदस्य चुनकर 1200 सदस्यों की उस समिति में भेजते हैं जिसका काम हॉंग कॉन्ग के चीफ एग्जीक्युटिव का चुनाव करना है। बाद में चीन सरकार इस पद पर उसकी नियुक्ति पर मोहर लगाती है। चुनाव नतीजों से स्पष्ट है कि इस बार इस रास्ते से उस समिति में पहुंचने वाले सभी 117 सदस्य लोकतंत्र समर्थक ही होंगे। बहरहाल, इस तकनीकी पहलू को छोड़ दें तो भी इन चुनाव नतीजों ने साबित कर दिया है कि हॉंग कॉन्ग और चीन की सरकारों द्वारा कही जा रही यह बात गलत थी कि आम जनता में प्रदर्शनकारियों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं है। विरोध प्रदर्शनों को भले ही अमेरिका, ब्रिटेन और दुनिया भर के उदार लोकतांत्रिक मिजाज के लोगों का समर्थन प्राप्त रहा हो, लेकिन चुनाव नतीजों से स्पष्ट है कि यह मूलतः हॉंग कॉन्ग की जमीन से उपजा वहां के लोगों का आंदोलन है, जो शासन की जिद के चलते बढ़ता चला गया। हालांकि आंदोलन का मुद्दा बने प्रत्यर्पण बिल के पीछे कैरी लैम की सरकार जो वजह बता रही है, उसे खारिज करना मुश्किल है। 2018 में हॉंग कॉन्ग की एक लड़की पुन ह्यू विंग की उसके बॉयफ्रेंड ने ताइवान यात्रा के दौरान हत्या कर दी और हॉंग कॉन्ग लौट आया। मौजूदा कानूनों के मुताबिक चीन, ताइवान और मकाऊ में किए गए अपराधों के लिए किसी भी हॉंग कॉन्ग वासी को न तो हॉन्ग कॉन्ग में सजा दी जा सकती है, न ही उसे प्रत्यर्पित किया जा सकता है। इस स्थिति में बदलाव के लिए कैरी लैम ने वह बिल पास करवाने की कोशिश की जिस पर बवाल शुरू हो गया। बहरहाल, इस पूरे प्रकरण का एक निष्कर्ष यह है कि 'विदेशी शक्तियों' का हीआ अब आंदोलनों से निपटने का बहुत अच्छा हथियार नहीं रह गया है, और दूसरा यह कि चीन और उसकी छत्रछाया में चलने वाली हॉन्ग कॉन्ग सरकार सख्ती दिखाकर इस आंदोलन से नहीं निपट पाएगी। उम्मीद करें कि दुनिया का नंबर 2 मुल्क चीन अपने ही एक अंग हॉंग कॉन्ग को लेकर हठधर्मिता से बचेगा।

भारतीय डाक विभाग को भी इस प्रकार की व्यवस्था लागू करनी चाहिए, जिससे पोस्ट ऑफिस कर्मचारी पार्सल की बुकिंग और डिलिवरी दोनों में दिलचस्पी लेना शुरू करें। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का भविष्य यूं भी धूमिल है। मुख्यधारा के बैंकों की तुलना में पोस्ट पेमेंट्स बैंक द्वारा सुविधाएं कम दी जाती हैं। मेनस्ट्रीम बैंकों से आप नगद, चेक जमा, ऋण सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर प्राप्त कर सकते हैं जबकि पोस्ट पेमेंट्स बैंक में आप अन्य बैंकों के चेक जमा नहीं कर सकते और इससे कर्ज भी नहीं ले सकते। इसलिए यदि कोई उपभोक्ता पोस्ट पेमेंट्स बैंक में खाता खोलता है तो उसे मुख्यधारा बैंकों में भी एक खाता खोलना पड़ता है ताकि वह चेक आदि का भुगतान ले सके।

भारत झुनझुनवाला
भारतीय डाक विभाग के बढ़ते घाटे से छुटकारा पाने के लिए सरकार ने पिछले वर्ष इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की स्थापना की थी। विचार था कि दूर-दराज क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी की बढ़ोतरी पोस्ट ऑफिस इन क्षेत्रों तक बैंकिंग व्यवस्था का विस्तार करने का जरिया बन सकते हैं। लोगों को यह व्यवस्था पसंद आ गई तो इसके साथ ही पोस्ट ऑफिसों का धंधा भी चल निकलेगा। लेकिन मौजूदा हालात इस उम्मीद को खारिज करते हैं। पोस्ट पेमेंट्स बैंक के घाटे बढ़ रहे हैं। वास्तव में हमें डाक विभाग की मूल समस्या पर ध्यान देना चाहिए, जो यह है कि सूचनाओं के ऑनलाइन आवागमन से डाक की जरूरत बहुत कम हो गई है। हालांकि ऑनलाइन डिलिवरी ऑर्डरों को पहुंचाने के काम में भारी वृद्धि हुई है।

और देशों के तजुर्बे

इस खट्टे-मीठे परिवर्तन का तमाम देशों ने लाभ उठाया है। कनाडा में ऑनलाइन ऑर्डरों का दो तिहाई हिस्सा पोस्ट ऑफिसों द्वारा वितरित किया जाता है। वहां के डाक विभाग ने यह सुविधा दे रखी है कि खरीदार अपनी गाड़ी से आते-जाते डाक खिड़की से अपना पैकेट

उठा सकता है। इसके लिए उसे गाड़ी से उतरने की भी जरूरत नहीं है। पोस्ट ऑफिसों में कार को बिजली से चार्ज करने की सुविधा भी दी गई है। भारत में भी पार्सल का काम बढ़ रहा है। पिछले साल पोस्ट ऑफिसों द्वारा 10 करोड़ पार्सल पहुंचाए गए थे जबकि इस साल पहुंचाए गए पार्सलों की संख्या बढ़कर 16 करोड़ हो गई है। इसलिए यदि डाक विभाग ऑनलाइन ऑर्डर के वितरण पर विशेष ध्यान दे तो इससे उसके राजस्व में काफी बढ़ोतरी हो सकती है।

इस संदर्भ में गौर करने की बात यह है कि वर्तमान में छपे हुए कागजों जैसे पत्रिकाओं और अखबारों के वितरण में पोस्ट ऑफिस विभाग को भारी घाटा वहन करना पड़ रहा है। प्रति छपे हुए पैकेट पर लगभग पच्चीस रूपए का खर्च पड़ता है जबकि वसूली होती है मात्र चार रुपये। छपे हुए कागजों के उपयोग को इसलिए भी हतोत्साहित करने की जरूरत है कि पर्यावरण पर इनका बोझ ज्यादा होता है। जाहिर है, छपे हुए माल की डिलिवरी पर दी जाने वाली सब्सिडी बंद कर देनी चाहिए। वैसे ऑनलाइन ऑर्डरों की डिलिवरी भी आसान नहीं है। अमेरिकी पोस्ट ऑफिस विभाग को इसमें कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा

है। वहां पोस्ट मैन द्वारा आपके पोस्ट बॉक्स में एक परचा डाल दिया जाता है कि आप अपने पैकेट को डाकखाने से उठा सकते हैं। फिर खरीदार को डाकखाने जाकर अपना पैकेट लेना होता है। इस काम के लिए एक-एक घंटे की कतारें लगी रहती हैं। गलत पते पर माल डिलिवरी की शिकायतें भी बड़ी संख्या में मिल रही हैं। इसलिए जरूरत है कि भारतीय डाक विभाग ऑनलाइन ऑर्डरों की डिलिवरी के काम को कुशलतापूर्वक अंजाम दे, अन्यथा इसमें भी वह सफल नहीं होगा।

अपने यहां मुख्य समस्या पोस्ट ऑफिस कर्मचारियों के मनोभाव की है। इन कर्मियों के वेतन सुरक्षित हैं और कामकाजी कुशलता से इनके वेतन प्रभावित नहीं होते हैं। इनके सामने कुशलतापूर्वक कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने वाला कोई कारक भी नहीं है। सरकार ने घोषणा की है कि पोस्ट पेमेंट्स बैंक के प्रॉफिट का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा कर्मियों को वितरित किया जाएगा। लेकिन यह वितरण तो तब होगा जब बैंक को प्रॉफिट होगा। यदि बैंक को जब बैंक को प्रॉफिट होगा। यदि बैंक को प्रॉफिट ही नहीं होता तो इन्हें कमिशन भी नहीं मिलेगा। इस स्थिति में हमें इंग्लैंड से सबक लेना चाहिए। वहां पोस्ट ऑफिस

स्थापित करने के लिए सरकार द्वारा एक छोटी राशि मकान के किराये भर के लिए दी जाती है। इसके बाद पोस्ट मास्टर को काम के हिसाब से कमिशन मिलता है। जैसे प्रति पार्सल पांच रुपये का कमीशन दिया जाए। अपने देश में सरकारी बसों में इसी प्रकार की व्यवस्था है, जिसके कारण सरकारी बस के कंडक्टर और ड्राइवर लगातार प्रयास करते हैं कि अधिकाधिक यात्रियों को उठाएं।

भारतीय डाक विभाग को भी इस प्रकार की व्यवस्था लागू करनी चाहिए, जिससे पोस्ट ऑफिस कर्मचारी पार्सल की बुकिंग और डिलिवरी दोनों में दिलचस्पी लेना शुरू करें। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का भविष्य यूं भी धूमिल है। मुख्यधारा के बैंकों की तुलना में पोस्ट पेमेंट्स बैंक द्वारा सुविधाएं कम दी जाती हैं। मेनस्ट्रीम बैंकों से आप नगद, चेक जमा, ऋण सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर प्राप्त कर सकते हैं जबकि पोस्ट पेमेंट्स बैंक में आप अन्य बैंकों के चेक जमा नहीं कर सकते और इससे कर्ज भी नहीं ले सकते। इसलिए यदि कोई उपभोक्ता पोस्ट पेमेंट्स बैंक में खाता खोलता है तो उसे मुख्यधारा बैंकों में भी एक खाता खोलना पड़ता है ताकि वह चेक आदि का भुगतान ले सके। यह सही

है कि पोस्ट पेमेंट्स बैंक में खाता खोलने के लिए न्यूनतम आवश्यक रकम शून्य है जबकि मुख्यधारा बैंकों में यह एक हजार रुपया या इससे अधिक है। लेकिन इस सुविधा का लाभ नाण्य है। कहने के लिए पोस्ट पेमेंट्स बैंक की सुविधाएं आपके दरवाजे तक आती हैं, लेकिन इसका कोई खास मतलब नहीं बनता क्योंकि कर्मियों में कार्यकुशलता का अभाव आड़े आ जाता है। इसी वजह से किसी पोस्ट बैंक में खाता खोलना दोहरा काम हो जाता है।

मोबाइल बैंकिंग का दौर

इसके अलावा अभी उपभोक्ताओं द्वारा मोबाइल बैंकिंग बढ़े पैमाने पर की जा रही है, जिसके कारण पोस्ट बैंक का आपके दरवाजे तक पहुंचने का कोई अतिरिक्त लाभ नहीं रह गया है। कईव्यक्ति ऐसे भी हैं जिनके खाते दूसरे शहर के किसी बैंक में खुले हुए हैं, पर वे सालों से अन्य स्थानों पर रहते हुए अपने खाते सुचारु रूप से संचालित कर रहे हैं। बैंक के नजदीक रहना अब जरूरी नहीं रह गया है। वर्तमान में यातायात के साधनों का इतना विस्तार हो चुका है कि मुख्यधारा बैंक की शाखा तक पहुंचना भी आसान है। अलहा ह, पोस्ट पेमेंट्स बैंक का अपनी जगह यूएसपी बनानी होगी।

लोकतंत्र और नैतिकता का एक त्रासद प्रहसन

भाजपा और शिवसेना दोनों ही एक दूसरे के साथ लगभग न केवल 25 सालों से हैं बल्कि दोनों के बीच वैचारिक समानता भी है। भाजपा और शिवसेना दोनों ही आपस में मिलकर जब सरकार नहीं बना सके तो, राज्यपाल ने पहले भाजपा को और फिर शिवसेना को सरकार बनाने के लिये आमंत्रित किया। भाजपा को इस कार्य हेतु अड़तालीस घंटे और शिवसेना को चौबीस घंटे का समय दिया गया। शिवसेना एनसीपी और कांग्रेस ने आपस में मिल कर सरकार बनाने की बात सोची तब तक राज्यपाल ने राष्ट्रपति शासन की सिफारिश कर दी और 12 नवंबर को राष्ट्रपति शासन राज्य में लगा दिया गया।

25 नवंबर की सबसे बड़ी खबर यह है कि, अजित पवार के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही उनके खिलाफ चल रही सिंचाई अजीत पवार अब पवित्र बन चुके हैं। भाजपा के दावे, भ्रष्टाचार के खिलाफ ज़ोर टॉलरेंस से भाजपा की असलियत, भ्रष्टाचार के खिलाफ निल जांच तक के इस सफर पर जिसे हैरानी हो तो हो मुझे नहीं है। यही तो सौदेबाजी का मूल विंदु है। कथनी और करनी, नैतिकता और पाखंड, की स्प्लिट पर्सनालिटी से युक्त भाजपा का यह वास्तविक, चाल, चरित्र, चेहरा और चिंतन है। 2014 से लगातार देवेंद्र फडणवीस यह कह रहे हैं कि हजारों करोड़ के सिंचाई घोटाले में अजित पवार लिस हैं और वे जेल भेजे जाएंगे। चक्की पीसिंग पीसिंग एंड पीसिंग, वाला उनका एक पुराना वीडियो अब भी सोशल मीडिया पर खूब देखा और साझा किया जा रहा है। 25 नवंबर को मुख्यमंत्री फडणवीस ने मंत्रालय में पहुंच कर, शायद सबसे पहले इसी फाइल पर दस्तखत किया जो अजित पवार के सिंचाई घोटाले से संबंधित है। इसे सरकार की पहली उपलब्धि माना जाना चाहिये। आइए अब इस नैतिक गठबंधन की सरकार के पृष्ठभूमि की चर्चा करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र संकट पर कल 25 नवंबर को दोनों

पक्षों को सुनने के बाद अपना फैसला, आज 26 नवम्बर को सुबह 10.30 पर सुनाया। महाराष्ट्र विधानसभा में किसी को पूर्ण बहुमत न मिलने के कारण 12 नवम्बर को राष्ट्रपति शासन लगा था, और फिर 23 नवंबर को अचानक सुबह राष्ट्रपति शासन समाप्त हुआ और भाजपा और एनसीपी के देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार ने क्रमशः मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। फिर बहुमत, राज्यपाल के सरकार बनाने के लिये आमंत्रित करने के निर्णय, राष्ट्रपति शासन के समाप्ति आदि आदि पर विवाद हुआ और यह मामला सुप्रीम कोर्ट में एनसीपी, शिवसेना द्वारा ले जाया गया जहां आज सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई पूरी कर ली है और निर्णय सुरक्षित रख लिया है। आज का विमर्श इसी विंदु पर है। 12 नवंबर को महाराष्ट्र में राज्यपाल की अनुशंसा पर केंद्रीय सरकार ने राष्ट्रपति से राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश की और राष्ट्रपति ने सलाह मांग कर राष्ट्रपति शासन लगा दिया और अचानक संविधान के अनुच्छेद 356 पर पुनः बहस शुरू हो गयी। अनु 356 के साथ यह पहला विवाद नहीं पड़ता है, और न अंतिम है, बल्कि यह केरल की पहली निर्वाचित वामपंथी सरकार के बर्खास्तगी से शुरू हो कर अब महाराष्ट्र तक का यह सफर है और जैसे अभी वक्त का

सफर जारी है, यह विवाद भी उसी के हमकदम आगे भी रहेगा। राजनीति संभावनाओं का खेल है। महाराष्ट्र विधानसभा 2019 का आम चुनाव भाजपा और शिवसेना ने एक साथ मिलकर लड़ा था, और जब दोनों को मिला कर बहुमत का आंकड़ा पार हो गया तो, यह उम्मीद सभी को थी कि यह देवेंद्र फडणवीस सरकार का दूसरा कार्यकाल होगा। पर शिवसेना ने खुद को मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित कर दिया और यह कहा कि उनके और भाजपा के बीच ढाई ढाई साल तक के मुख्यमंत्री बनने का एक गोपनीय समझौता हुआ था जिसके अनुसार उन्हें पहले ढाई साल के लिये यह पद मिलने का फार्मूला दोनों मित्र दलों की बैठक में तय हुआ था। भाजपा ने इस मांग को ठुकरा दिया और यह भी कहा कि ढाई ढाई साल के मुख्यमंत्री होने का कोई वादा उभय दलों के बीच हुआ ही नहीं था। यह उल्लेखनीय है कि भाजपा और शिवसेना दोनों ही एक दूसरे के साथ लगभग न केवल 25 सालों से हैं बल्कि दोनों के बीच वैचारिक समानता भी है। भाजपा और शिवसेना दोनों ही आपस में मिलकर जब सरकार नहीं बना सके तो, राज्यपाल ने पहले भाजपा को और फिर शिवसेना को सरकार बनाने के लिये आमंत्रित किया। भाजपा को इस कार्य हेतु

अड़तालीस घंटे और शिवसेना को चौबीस घंटे का समय दिया गया। शिवसेना एनसीपी और कांग्रेस ने आपस में मिल कर सरकार बनाने की बात सोची तब तक राज्यपाल ने राष्ट्रपति शासन की सिफारिश कर दी और 12 नवंबर को राष्ट्रपति शासन राज्य में लगा दिया गया। यह राष्ट्रपति शासन 23 नवंबर तक लगा रहा और फिर एक नाटकीय घटनाक्रम में अचानक सुबह इसे समाप्त करके भाजपा और एनसीपी की सरकार को राज्यपाल ने शपथ दिला दी। यही मामला, सुप्रीम कोर्ट में है जहां 26 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट का फैसला आना है। महाराष्ट्र संकट से कुछ अहम संवैधानिक मुद्दे भी उठ खड़े हुये हैं। यह मुद्दे अनुच्छेद 356 के प्रयोग और कैबिनेट तथा प्रधानमंत्री के विशेषाधिकार जो उसे बिजनेस रूल्स 1961 के नियम 12 के अंतर्गत प्राप्त है, से सम्बंधित है। महाराष्ट्र विधानसभा में किसे बहुमत है, किसे बहुमत नहीं है, कौन किसे खरीद बेच रहा है यह सब पहली बार देश के संसदीय लोकतंत्र में नहीं हो रहा है बल्कि यह पहले भी हो चुका है और आगे भी होता रहेगा। सत्ता राजनीति का मुख्य कारक भाव है। लेकिन 23 नवंबर को सुबह जिस प्रकार आनन फानन में राज्य से राष्ट्रपति शासन के समाप्ति की सिफारिश, प्रधानमंत्री ने बिना कैबिनेट की बैठक के राष्ट्रपति को भेजी है

वह एक अप्रत्याशित कदम था। उसकी वैधानिकता की चर्चा और पड़ताल जरूरी है। भारत सरकार ने, 23 नवम्बर 2019 को महाराष्ट्र में लगे राष्ट्रपति शासन को समाप्त करने के लिये, बिना कैबिनेट, यानी मंत्री परिषद की राय लिये राष्ट्रपति से जो अनुशंसा की वह प्रधानमंत्री को कार्य आवंटन नियमावली 1961 के नियम 12 के अंतर्गत किया गया था। संविधान के अंतर्गत राष्ट्रपति को असीम शक्तियां हैं पर वह अपनी मनमर्जी से इन अधिकारों का उपयोग नहीं कर सकते हैं। वह भारत के कैबिनेट की सलाह पर ही अपनी शक्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। महाराष्ट्र में कैबिनेट की अनुशंसा पर राष्ट्रपति शासन लगाया गया था। और कैबिनेट की अनुशंसा, महाराष्ट्र के राज्यपाल की रिपोर्ट पर आधारित थी। संविधान के अनुच्छेद 356 में केंद्र सरकार को राष्ट्रपति शासन लगाने का अधिकार है। यह अधिकार नहीं है, कौन किसे खरीद बेच रहा है यह सब पहली बार देश के संसदीय लोकतंत्र में नहीं हो रहा है बल्कि यह पहले भी हो चुका है और आगे भी होता रहेगा। सत्ता राजनीति का मुख्य कारक भाव है। लेकिन 23 नवंबर को सुबह जिस प्रकार आनन फानन में राज्य से राष्ट्रपति शासन के समाप्ति की सिफारिश, प्रधानमंत्री ने बिना कैबिनेट की बैठक के राष्ट्रपति को भेजी है

चिंतन-मनन

समृद्ध भारत के सपने को साकार करने की चुनौती

सदियों पुराने अयोध्या विवाद का संतोषजनक ढंग से समाधान करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने जो ऐतिहासिक फैसला सुनाया है, उस विवाद से जुड़े सभी पक्षों द्वारा सहाय स्वीकार करने के बाद अब अयोध्या में भव्य राम मंदिर का मार्ग प्रशस्त हो गया है। फैसले के तत्काल बाद ही राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने देश के प्रमुख 50 धर्म गुरुओं की बैठक बुलाकर यह संकेत भी दे दिया कि वर्तमान सरकार मंदिर निर्माण की प्रक्रिया जारी रखने के दौरान देश में शांति और सद्भाव सौहार्द बनाए रखने के लिए कोई कसर बाकी नहीं रखेगी। बैठक में मौजूद धर्मगुरुओं ने सरकार को यह भरोसा दिलाया है कि देश में बने सद्भाव और सौहार्द को मजबूत करने के लिए वे सरकार द्वारा किए

जाने वाले हर प्रयास में उसके साथ खड़े रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसी ही अपील फैसला आने के बाद चंद घंटों के अंदर राष्ट्र के नाम प्रसारित अपने संदेश में सारे देश से आने वाली, जिसका समाज के सभी वर्गों ने समर्थन किया। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के अनुसार केंद्र सरकार अब जल्द से जल्द एक ट्रस्ट का गठन कर तैयारियों में जुट गई है। बहुत संभव है कि हिंदू नव वर्ष की शुरुआत अथवा रामनवमी की तिथि से मंदिर के निर्माण का शुभारंभ कर दिया जाएगा। इसे एक सुखद संयोग के रूप में लिया जाना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में अयोध्या विवाद पर सर्वोच्च न्यायालय ने सभी पक्षों को स्वीकार्य ऐतिहासिक फैसला सुनाया है और मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त

कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना दूसरा कार्यकाल मात्र छह माह पूर्व ही प्रारंभ किया है और माना जा सकता है कि अयोध्या में भव्य मंदिर का निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया उनके दूसरे कार्यकाल के पूर्ण होने के पूर्व ही परिणीति के बिंदु तक पहुंच चुकी होगी। आज मुझे अपनी उस कृति की याद रह रहकर आ रही है, जो मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रेखांकित करते हुए लगभग तीन वर्ष पूर्व लिखी थी। उस कृति का शीर्षक था यशस्वी मोदी। आज मैं यह सोचने पर विवश हूं की ईश्वर ने शायद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों में यह यश पहले से ही लिख दिया था कि उनके कार्यकाल में ही सदियों पुराने अयोध्या विवाद का पटक्षेप होकर वहां भव्य मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा।

नवप्रदेश के घर डाकिया

हमारा संविधान

भारत जैसा भारी भरकम संविधान भी किसी देश को न दे क्योंकि कि 70 साल बाद भी गरीब और दलित बेहाल ही है। सामान्य वर्ग के लोगों के साथ आज भी भेदभाव पूर्ण नीति जारी है जो सिर्फ 10 सालों के लिए थी।इतना ही नहीं इसी संविधान के तहत देश के मूलनिवासी, बहुसंख्यक हिन्दुओं को दूसरे दर्जे का नागरिक बना कर रख दिया गया। नेता लोग वोट बैंक की राजनीति के जरिए लोगों में फूट डालो और राज्य करो का गन्दा खेल खुलेआम खेल रहे हैं। नेता मंत्री विधायक सरकारी तंत्र सभी बेखौफ करणन में डूबकर दोनों हाथों से अपनी सात पुरतों तक के लिए करोड़ों अरबों रुपयों की लूट में व्यस्त हैं। न्यायालय आज भी इसी संविधान के चक्रव्यूह में उलझकर सालों-साल निरीह नागरिकों को अदालतों के चक्कर लगाने से नहीं बचा पा रही। प्रभावशाली और अमीर लोग संविधान की धाराओं को तोड़ मरोड़ कर मनमानी करते रहते हैं। ममता बनारो तो खुले आम संविधान की धजियां उड़ते हुये बंगाल को बंगलादेश बनाने में जुटी हैं और संविधान अपने ही बोझ से दबा उठ ही नहीं पा रहा है।

संजय कुमार, चुन्ना भट्टा, कोकर, रांची

एक नजर एक नजर

जनता को शिकायत का नहीं देंगे मौका: मुमताज अहमद खान



मेदिनीनगर। पलामू जिले के पांकी विधानसभा क्षेत्र के निर्दलीय प्रत्याशी सह समाजसेवी मुमताज अहमद खान ने पांकी विधानसभा क्षेत्र के मनातु प्रखंड के रबदा , धुमा के हरिजन टोला, श्रीकेदाल, लौटवा, बंसी , समेत कई गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया। जनसंपर्क अभियान चलाकर मुमताज ने अपने पक्ष में वोट मांगा। जनसंपर्क अभियान के दौरान श्री खान ने कहा कि जनता यदि उन्हें मौका दिया तो पांकी विधानसभा में बिजली नहीं है वहा बिजली पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि पांकी विधानसभा क्षेत्र के आज भी बहुत सारा गांव ऐसा है जहां किसी भी प्रतिनिधि ने ध्यान नहीं दिया है। विकास का नाम नहीं है। उन्होंने कहा कि मेरे जीतने के बाद हर गांव में बिजली, पक्का सड़क, किसानों के लिए पानी उपलब्ध करायेंगे। गरीबों को उनका हक और अधिकार दिलाएंगे। मुमताज ने जनता से अपील करते हुए कहा कि कप प्लेट छाप पर बटन दबाकर मुझे विजयी बनावे। पांकी विधानसभा क्षेत्र में भरपूर विकास देखने का मिलेगा। जनता को किसी प्रकार की शिकायत करने का मौका नहीं मिलेगा। मौके पर गुल खान, प्रधान सक्सेना, निरंजन यादव, अकमल खान, सुरेंद्र पासवान, विनोद पासवान, अनिल शर्मा, पलार सिंह, सुरेंद्र सिंह, अनुरण ठाकुर, दिलीप पासवान, राजकुमार पासवान, मो. तय्यब अली, भानु सिंह, धन्जय सिंह, मुकेश सिंह, विजय सिंह, उत्तम सिंह, राज कुमार सिंह, नवीन सिंह, अवध सिंह, मुननू राम, दिलेशवर मोची,रहमत अंसारी, राजा सिंह, विवेक ठाकुर, नेसार अंसारी, गौतम सिंह, ग्यानी सिंह, विकास ठाकुर, पच्चू मोची, शन्कर सिंह, जसीम अंसारी, कंचन ठाकुर, मोबीन अहमद, भागीरति सिंह, शाकीर राईन, मासुक खान, मनोज पासवान, प्यारे अहमद, दशरथ पासवान, इमरोज अंसारी, असलम अंसारी, जुबैर अहमद समेत कई लोग उपस्थित थे।

विनीत पांडेय को बनाएंगे राष्ट्रीय कार्यसमिति के सदस्य



मेदिनीनगर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अधिवेशन में पलामू से विनीत पांडेय को राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य बनाया गया। ज्ञात हो कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 22 से 25 नवंबर 2019 तक ब्रज प्रांत के आगरा महानगर में संपन्न राष्ट्रीय अधिवेशन के आखिरी दिन सत्र 2019-20 के लिए नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा की गई। छत्र हित के लिए हमेशा संघर्षरत रहे पलामू के विनीत पांडेय को राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य बनाए जाने पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद पलामू के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य बनने पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद पलामू ने उन्हें बधाई दी।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला संयोजक राजकिशोर सिंह ने कहा कि हमेशा से छत्र हित और राष्ट्र हित के मुद्दों को लेकर मुखर रहने वाले विनीत पांडे जी को एनइसी मेंबर बनाए जाने पर पलामू के कार्यकर्ताओं में एक नई ऊर्जा का संचार होगा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मेदनीनगर इकाई से नगर मंत्री गोविंद मेहता, नगर सह मंत्री रजनीकांत मिश्रा, मुकेश कुमार, रामाशंकर पासवान, शशिकांत सुमन, रंजीत तिवारी ने भी बधाई दी।

सविधान दिवस पर जगह जगह हुआ कार्यक्रम आयोजित



गिरिडीह। सदर प्रखंड के पचम्बा थाना में सविधान दिवस के मौके पर शपथ ग्रहण का कार्यक्रम आयोजन किया गया, जिसमे सविधान के महत्व के बारे में बताया गया। इस दौरान पचम्बा थाना प्रभारी शर्मानंद सिंह, एएसआई सुधीर कुमार, मुंशी यादव, इस्माइल मरांडी समेत तमाम पुलिस के जवान मौजूद थे।

जैनामोड़ व आसपास के विभिन्न संस्थानों में सविधान प्रस्तावना पाठन कार्यक्रम का आयोजन



जैनामोड़। जैनामोड़ व आसपास के स्कूल कॉलेज एवं सभी पंचायत सचिवालयो में मंगलवार को सविधान दिवस मनाया गया। इस दौरान भारतीय सविधान प्रस्तावना पाठन कार्यक्रम का आयोजन कर शपथ दिलाया गया। स्थाई ग्राम विधिक देखरेख एवं सहायता केंद्र अरालडीह व ग्राम पंचायत के संयुक्त तत्वाधान में उत्क्रमित मध्य विद्यालय जगासुर में सविधान दिवस के अवसर पर भारत के सविधान प्रस्तावना पाठन कार्यक्रम का आयोजन मुखिया हेमचांद मांझी के नेतृत्व में पंचायत सेवक दिलीप शर्मा, प्रअ जीतन महली, पीएलवी निलु कुमारी प्रियदर्शी व सहदेव हांसदा के अलावे शिक्षको में तापस कुमार महतो, फणीभूषण मांझी, दिनेश तुरी, विकास कुमार मंडल, ब्रह्मानन्द पाण्डेय की मौजूदगी में छत्र-छत्राओं को शपथ दिलाया गया। वही ग्राम विधिक देखरेख एवं सहायता केंद्र जैना के पीएलभी बबलू दास के नेतृत्व में सविधान प्रस्तावना पाठन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

निर्दलीय प्रत्याशी नीतू सिंह ने किया अंगवाली में जनसंपर्क



शौकत आजमी के निधन को इफ्टा ने किया याद

मेदिनीनगर। इफ्टा और प्रगतिशील आंदोलन की अग्रणी नेता और देश की जानी मानी कलाकार शौकत आजमी के निधन पर उनको याद करते हुए इफ्टा व प्रलेस की पलामू इकाई ने स्मृति व श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। इफ्टा व प्रलेस के सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत शौकत आजमी को विनम्र श्रद्धांजलि दी। मौके पर उनकी स्मृतियों को याद करते हुए इफ्टा के राष्ट्रीय समिति सदस्य

70वे सविधान दिवस के अवसर पर तेनुघाट व्यवहार न्यायालय परिसर में आयोजित किया गया शपथग्रहण समारोह



कथारा। तेनुघाट व्यवहार न्यायालय परिसर में जिला जज प्रथम उत्तम आनंद की अगुवाई में सविधान दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण समारोह आयोजित की गई। एसडीजेएम सह अनुमंडल विधिक प्राधिकार सेवा समिति के सचिव संजीत कुमार चंद्र ने न्यायिक पदाधिकारी अधिवक्ता गण एवं न्यायालय के कर्मचारी को शपथ ग्रहण के अवसर पर लोगों को सविधान का शपथ दिलाया और भारत के सविधान के अनुसार चलने की शपथ ली। शपथ ग्रहण के बाद राष्ट्रीय गान जन गन मन लोगों ने गाया। इस अवसर पर जिला जज द्वितीय गुलाम हैदर, जिला जज तृतीय राजेश सिन्हा, जिला जज चतुर्थ विशाल कुमार, एसीजेएम विशाल गौरव, एसडीजेएम संजीत कुमार चंद्र, मुंसिफ एसएन कुजुर, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी दीपक कुमार साहू, सरकारी वकील संजय कुमार सिंह, तेनुघाट अधिवक्ता संघ के अधिवक्तागण, न्यायालय के कर्मचारीगण उपस्थित थे। वही अनुमंडल कार्यालय में भी बोकारो अपर समाहर्ता विजय कुमार गुप्ता एवं अनुमंडल पदाधिकारी प्रेम रंजन के द्वारा संयुक्त रूप से सविधान की शपथ ग्रहण कराई गई। इस अवसर पर पेंटरवार वीडियो इंद्र कुमार, गोमिया वीडियो मोनी कुमारी सहित कई पदाधिकारी गण एवं अनुमंडल कार्यालय के कर्मचारी गण उपस्थित थे।

बोकारो थर्मल डीवीसी बीटीपीएस +2 हाई स्कूल में प्रवीणता पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

बोकारो थर्मल। डीवीसी +2 उच्च विद्यालय, बीटीपीएस में प्रवीणता पुरस्कार वितरण समारोह मंगलवार को विधिवत् संपन्न हुआ। बतौर मुख्य अतिथि कमलेश कुमार, मुख्य अभियंता एवं परियोजना प्रधान, शिष्ट अतिथि उप महाप्रबंधक (प्रशा.) ए.पी. सिंह तथा अपर निदेशक (मा.सं.) नीरज सिन्हा ने अपने कर कमलों से सद्भावना मंगलदीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। प्राचार्य जी.के. मिश्रा ने स्वागत भाषण दिया। मुख्य अतिथि श्री कुमार ने समारोह की शानदार सफलता के प्रति बधाई दिया तथा विद्यार्थियों की ओर मुखातिब होते हुए कहा कि हमें ज़माने के साथ कदम-दर-कदम मिलाकर चलना चाहिए। किन्तु टेक्नोलोजी के प्रयोग करते समय हमें उसमें निहित अच्छी चीजों को ही अपनाना चाहिए। मोबाइल, इंटरनेट आदि के कुप्रभावित करने वाले एप्स से पूरी तरह बचना चाहिए। आगे, उन्होंने ढोल मादर बाजे के साथ प्रस्तुत नागपुरी समूह नृत्य की सराहना करते हुए झारखंड की सुंदरमयी संस्कृति को याद किया। छोटे-छोटे प्रेरणास्पद उदहरणों के साथ

गण्डेय विधानसभा से निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे सुनील यादव,भरा नामांकन पर्चा

गिरिडीह। प्रणाम संस्था के संरक्षक सुनील यादव गांडेय विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतर गए हैं।मंगलवार को उन्होंने अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया। मौके पर उनके साथ कई समर्थक मौजूद रहे। नामांकन के बाद सर्कस मैदान में उन्होंने एक जनसभा को भी संबोधित किया। इस सभा में भारी संख्या में गांडेय से आए लोगों की भीड़ रही। मौके पर सुनील यादव और उनके समर्थकों ने सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों पर निशाना साधते हुए कहा कि गांडेय के विकास में अब तक किसी दल ने भी गंभीरता से नहीं सोचा है। मौके पर सुनील यादव ने कहा कि अगर उन्हें इस बार मौका मिलता है तो वे गांडेय की तकदीर और तस्वीर दोनों बदल कर रख देंगे।

बेरमो। बेरमो विस के निर्दलीय प्रत्याशी नीतू सिंह ने मंगलवार की देर शाम अंगवाली एवं समीपस्त मुहल्लों में भ्रमण कर ग्रामीणो से मिली।उन्होंने लोगों से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की।कहा मेरे ससुर कपिलदेव सिंह,प्रमुख(बेरमो)का अंगवाली गांव से बहुत पुराना रिश्ता रहा है।वे बेरमो से पहली बार निर्दलीय प्रत्याशी स्वरूप चुनाव लड़ रही हैं।हैं हमें अपना सहयोग अवश्य दें।वे मंडपवारी चौक सहित कई मुहल्ले की महिला,पुरुष से संपर्क किया।मौके पर अनिल सिंह,सोनू मिश्रा,राहुल मिश्रा,सुजीत मिश्रा,अमित मिश्रा,शुभम मिश्रा सहित अनेको युवक शामिल थे।



शैलेन्द्र कुमार ने कहा कि

स्वार्थलोलुभा और अवसरवादिता

सेवा भारती की जिला बैठक में समिति का किया गया विस्तार

देवेंद्र कुमार को उपाध्यक्ष और संजय वर्मा को प्रकल्प प्रभारी बनाया गया ।

झुमरी तिलैया: सेवा भारती की जिला बैठक स्थानीय कार्यालय ब्लॉक रोड में जिलाध्यक्ष श्री सुभाष प्रसाद बर्णवाल की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई। इस बैठक में मुख्य रूप से सेवा भारती के प्रांत संगठन मंत्री श्री जितेंद्र कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक में आगामी विधान सभा चुनाव की चर्चा करते हुए, जिला सचिव आलोक कुमार सिन्हा ने कहा कि मतदान हमारा अधिकार है इसे किसी भी हालत में अपना मत का प्रयोग करना है। सेवा भारती की पूरी टीम इस कार्य में तन और मन से कार्य करेगी।

साथ के जीवन जीने के लिये शौकत आपा बराबर याद की जाती रहेगी। वे बराबर समाज की बेहतरी के लिए लड़ते रहे। ऐसी शख्सियत इतिहास में जुगनू बनकर भावी पीढ़ियों को प्रेरणा देते रहेंगे। इफ्टा के महासचिव उपेंद्र मिश्रा ने कहा कि कला और साहित्य से जुड़ी महान शख्सियत शौकत आजमी मजदूर आंदोलनों से भी उसी शिष्ट के साथ जुड़ी हुई थी। यह सिद्धांतों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ही है कि उन्होंने

सविधान दिवस के मौके पर सूबे की पहली कोल लोक अदालत का हुआ उद्घाटन

धनबाद। सविधान दिवस के मौके पर सूबे की पहली कोल लोक अदालत का उद्घाटन जिला एवं सत्र न्यायाधीश बंसत कुमार गोस्वामी ने मंगलवार को फीता काटकर एवम दीप प्रज्वलित कर किया। कोल इंडिया,बीसीसीएल के मजदूरों की पेंशन,ग्रेच्युटी, नियोजन सहित विभिन्न समस्याओं से जुड़े 1 हजार से ज्यादा मामलों का निबटारा आज के कोल लोक अदालत में करने का लक्ष्य रखा गया है। मौके पर मौजूद बीसीसीएल एवं अन्य कोल कंपनियों के अधिकारियों को संबोधित करते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश बंसंत कुमार गोस्वामी ने कहा कि पहली दफा यह मौका आया है जब माननीय उच्च न्यायालय के आदेश पर कोयला के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया है इसमें उन तमाम लोगों को राहत मिलेगी जो लंबे अरसे से पेंशन ग्रेच्युटी नियोजन संबंधित राय्यकों को लेकर अदालतों का चक्कर लगाते- लगाते परेशान हो चुके थे। वही मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सविधान दिवस के मौके पर कोल लोक अदालत का आयोजन होना सविधान के प्रति सच्ची निष्ठा को दर्शाता है। साथ ही उन्होंने आशा व्यक्त किया कि अधिक से अधिक मामलों का निपटारा आज हो सकेगा और जो मामले भी रह जाएंगे उसे प्रयास किया जाएगा कि अगले लोक अदालत में उसका निस्तारण कर दिया जाए।

जनता का प्यार जीत के रूप में मिलेगा: मन्नान मल्लिक

धनबाद। कांग्रेस के उमीदवार मन्नान मल्लिक ने आज नामांकन किया।वही सेकड़ो की संख्या में कांग्रेस और महागठबंधन समर्थक मन्नान मल्लिक के साथ नजर आए।पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय भी मन्नान मल्लिक के नामांकन में शामिल होने धनबाद पहुंचे।वही नामांकन के बाद मीडिया से बात करते हुए मन्नान मल्लिक ने कहा कि जो काम पूर्व में अधूरे रह गए थे उन्हें पूरा करना है।धनबाद की जनता का प्यार उन्हें जीत के रूप में मिलेगा।पानी बिजली की समस्या को वो हल करेंगे।वही महागठबंधन के सवाल पर उन्होंने कहा कि महागठबंधन आखिर बनता क्यों है जीत के लिए ही।और इस बार महागठबंधन बीजेपी पर भारी पड़ने वाली ही।पांचों उंगली अगर एक हो जाती है तो धुर्रा उड़ जाता है।

एनडीए से अलग होने के बाद आजसू ने धनबाद में चार सीटों पर अपना उम्मीदवार उतरा

धनबाद। एनडीए से अलग होने के बाद आजसू ने भी धनबाद कोलांचल में भी चार सीटों पर अपना उम्मीदवार उतरा है वही टुंडी सीट से आजसू विधायक सह आजसू उम्मीदवार ने पर्चा दाखिल किया जिसमे आजसू समर्थक ढोल नगाड़े के साथ धनबाद पहुंचे और राज किशोर महतो ने एसडीएम कोर्ट परिषद में बने टुंडी 42 नंबर निर्वाचन पधधिकारी सह भूमि सुधार उप समाहर्ता सतीश चंद्र के समक्ष अपना नामांकन दाखिल किया। वही नामांकन दाखिल करने के बाद राज किशोर महतो ने कहा की पिछले बार एनडीए के साथ चुनाव लड़े इस बार अलग हो कर चुनाव लड़ रहे है हमलोगो ने कुछ स्थानीय मुद्दे सरकार के साथ रह कर आवाज उठाते रहे है इस बार क्षेत्रीय मुद्दों पर चुनावी मैदान में है साथ अपन किये कामो पर जनता से वोट मांगेगे साथ ही कहा बीजेपी से अलग हो कर चुनाव लड़ने में कुछ असर तो पड़ेगा मगर इसका भरपाई पहले ही कर किया।

जिले के निजी विद्यालय प्रबंधन अभिभावकों का आर्थिक शोषण कर रही है: परमार

धनबाद। झारखण्ड अस्मिता जागृति मंच के अध्यक्ष रंजीत सिंह परमार ने मंगलवार को गांधी सेवा सदन में प्रेस वार्ता को संबोधित कर कहा जिले के निजी विद्यालय प्रबंधन अभिभावकों का आर्थिक शोषण कर रही है। झारखण्ड शिक्षा न्यायधिकरण (संशोधन) अधिनियम 2017 प्रभावी अधिसूचना 7 जनवरी 2019 के आलोक में जिले के मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों का शुल्क बढ़ोतरी रद्द कर चुकी है। इस आदेश के आलोक में डीएसई द्वारा सभी निजी विद्यालयों को 2019 - 20 में वसूले गए शुल्क बढ़ोतरी को अभिभावकों को वापस अथवा समर्पित करने का आदेश भी जारी किया। इसके बावजूद निजी विद्यालय प्रबंधन आदेशो की अवेहलना करते हुए सत्र 2019 - 20 में बढ़े हुए दर पर शुल्क वसूल कर रही है। इस पर शिक्षा विभाग प्रशासन मौन है। विद्यालय प्रबंधन आदेश को सत्र 2020 -21 से लागू करने का प्रस्ताव दे रही है जब्कि शुल्क बढ़ोतरी पर रोक पिछले सत्र से ही लागू है। उन्होंने कहा जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग दोनों ही निजी विद्यालय से साठ गठ करके शिक्षा न्यायधिकरण के आदेश की अवमानना करने पर आमादा हैं। मंच यह मांग करती है कि शुल्क बढ़ोतरी रद्द हो तथा प्रशासन न्यायधिकरण के आदेश को प्रभावी करे। मंच इस मांग को लेकर सड़क से लेकर न्यायालय तक जाने को बाध्य होगी। प्रेस वार्ता में मो0 मोईन रजा, बिमलेश तिवारी, संजय रकानी, नितुल रावल, कौशलेन्द्र गुप्ता मौजूद थे।

कांग्रेस प्रत्याशी मन्नान मल्लिक का नामांकन के दौरान मेगा शो,सुबोधकांत सहाय समेत कई दिग्गज हुए शामिल जिन्हें नहीं दिखा पांच सालों तक जनता के बीच रहा वो अपना वश्मा उतारें: मन्नान मल्लिक

धनबाद। मंगलवार को कांग्रेस प्रत्याशी मन्नान मलिक के नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान कांग्रेस समेत महागठबंधन का मेगा शो देखने को मिला जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय,ओपी लाल,फूलचन्द मंडल समेत सूबे के कई दिग्गज नेताओं ने शिरकत किया। नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद मीडिया से बात करते हुए मन्नान अपने जीत के प्रति आश्चस्त दिखें।वहीं भाजपा प्रत्याशी राज सिन्हा के उस बयान का भी जवाब दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि हारने के बाद पांच साल विपक्ष किसी आंदोलन में नजर नहीं आया।मन्नान ने जवाब देते हुए कहा कि जिन्हें नही दिख रहा है कि मैं जनता के बीच रहा या नही वो अपने चश्मे का नम्बर बदल लें या चश्मा उतार कर देखा करें।

► चाशनी जब अच्छी तरह पनीर सोख लें तब गैस बंद कर दें और ठंडा होने दें।

अगले साल आईपीएल के बाद भविष्य पर फैसला करेंगे महेंद्र सिंह धोनी

नयी दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अगले साल इंडियन प्रीमयर लीग (आईपीएल) के बाद अपने भविष्य को लेकर फैसला करेंगे। इस स्टार क्रिकेटर के करीबी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी जिससे उनके करियर को लेकर लंबे समय से चल रहा अटकलबाजियों का दौर थम सकता है। भारत के जुलाई में इंग्लैंड में खेले गये वनडे विश्व कप से सेमीफाइनल में बाहर होने के बाद से ही धोनी किसी मैच में नहीं खेले हैं। वह वेस्टइंडीज दौर पर नहीं गये और इसके बाद दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखलाओं में भी नहीं खेले।

सूत्रों ने पीटीआई से कहा, “धोनी अगर अपने भविष्य को लेकर कोई फैसला करेंगे तो ऐसा आईपीएल के बाद ही होगा। आप



अटकलों पर रोक नहीं लगा सकते क्योंकि वह बहुत बड़ा खिलाड़ी है। वह फिटनेस के लिहाज से बेहतरीन स्थिति में हैं और पिछले एक महीने से कड़ा अभ्यास कर रहे हैं।” उन्होंने कहा, “लेकिन वह आईपीएल से पहले कितने प्रतिस्पर्धी मैच खेलेंगे

और इतने ही वनडे खेले जाएंगे। राष्ट्रीय चयनसमिति के अध्यक्ष एमएसके प्रसाद पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि पैनल अब भविष्य के बारे में सोच रहा है और धोनी आस्ट्रेलिया में अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए ऋषभ पंत जैसे युवा खिलाड़ियों को अधिक मौके देने के उनके इरादों से वाकिफ हैं। पंत हालांकि अब तक मौकों का फायदा नहीं उठा पाये हैं और विकेटकीपर के रूप में लचर प्रदर्शन के लिए उनकी लगातार आलोचना होती रही है। हाल में डीआरएस में गलत फैसलों के लिये भी पंत की आलोचना हुई थी जबकि इस मामले में धोनी लाजवाब हैं। धोनी ने अपनी तरफ से हालांकि अपने भविष्य को लेकर कोई बात नहीं की है। उन्हें हालांकि कुछ दिन पहले झारखंड

अंडर-23 टीम के साथ अभ्यास करते हुए देखा गया था जिसके बाद उनकी संभावित वापसी की अटकल लगायी जाने लगी थी। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भी कहा है कि धोनी को वही सम्मान दिया जाएगा जिसका उन जैसा दिग्गज खिलाड़ी हकदार है। उन्होंने इस स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज के तुरंत ही संन्यास लेने से भी इन्कार किया। पिछले महीने बोर्ड अध्यक्ष का पद सभालने के बाद गांगुली ने कहा, “आप जानते हैं कि चैंपियन्स जल्द खत्म नहीं होते। ” धोनी की अगुवाई में भारत ने टी20 विश्व कप 2007 और वनडे विश्व कप 2011 में खिताब जीते थे। उन्होंने 90 टेस्ट, 350 वनडे और 98 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें 17 हजार से अधिक रन बनाये हैं।

अंडर-23 टीम के साथ अभ्यास करते हुए देखा गया था जिसके बाद उनकी संभावित वापसी की अटकल लगायी जाने लगी थी। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भी कहा है कि धोनी को वही सम्मान दिया जाएगा जिसका उन जैसा दिग्गज खिलाड़ी हकदार है। उन्होंने इस स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज के तुरंत ही संन्यास लेने से भी इन्कार किया। पिछले महीने बोर्ड अध्यक्ष का पद सभालने के बाद गांगुली ने कहा, “आप जानते हैं कि चैंपियन्स जल्द खत्म नहीं होते। ” धोनी की अगुवाई में भारत ने टी20 विश्व कप 2007 और वनडे विश्व कप 2011 में खिताब जीते थे। उन्होंने 90 टेस्ट, 350 वनडे और 98 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें 17 हजार से अधिक रन बनाये हैं।

दलीप ट्राफी में टीम भावना का अभाव, गांगुली सुधार करेंगे : तेंदुलकर



कोलकाता। चैंपियन क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर का मानना है कि दलीप ट्राफी में खिलाड़ियों का ध्यान टीम से अधिक व्यक्तिगत प्रदर्शन पर रहता है और बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली को इसमें बदलाव करना चाहिये। तेंदुलकर ने प्रेस ट्रस्ट से कहा, “ मैं चाहता हूं कि गांगुली दलीप ट्राफी को देखें। यह ऐसा टूर्नामेंट है कि खिलाड़ी अपने प्रदर्शन और अगले टूर्नामेंट पर ज्यादा फोकस करते हैं और उसी के अनुसार खेलते हैं।”

उन्होंने कहा, “ यदि आईपीएल की नीलामी है या टी20 टूर्नामेंट या वनडे है तो खिलाड़ी उसी तरह से खेलते हैं । वे टीम के लिये नहीं खेलते। इस पर ध्यान देने की जरूरत है।” दलीप ट्राफी पांच

टीमों का क्षेत्रीय टूर्नामेंट था लेकिन अब इसमें इंडिया ब्लू, इंडिया ग्रीन और इंडिया रेड टीमें राउंड राबिन प्रारूप में खेलती हैं। तेंदुलकर ने कहा, “ मैं इसमें बदलाव देखना चाहता हूं क्योंकि क्रिकेट हमेशा से टीम का खेल रहा है। यह टीम भावना और एक टीम के रूप में साथ खेलने को लेकर है । इसमें व्यक्तिगत प्रदर्शन पर फोकस नहीं रहना चाहिये।” उन्होंने कहा कि इसे रणजी ट्राफी

फाइनल के तुरंत बाद खेला जाना चाहिये और उन चार टीमों के बीच होना चाहिये जो सेमीफाइनल तक पहुंची हैं और पूरा सत्र साथ में खेलती हैं। उन्होंने कहा, “ शीर्ष चार रणजी टीमों के साथ दो और टीमें इसमें हों क्योंकि ऐसी कई टीमें होंगी जिनमें प्रतिभाशाली खिलाड़ी होंगे लेकिन क्वालीफाई नहीं कर पाती । अंडर 19, अंडर 23 अलग अलग टीमों से इन खिलाड़ियों को लिया जा सकता है ।”

आर्चर पर नस्लवादी टिप्पणी के बाद न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट की सुरक्षा बढ़ाई

वेलिंगटन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफा आर्चर पर माउंट मोउन्गानुइ में दर्शकों द्वारा नस्लीय टिप्पणी किये जाने के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट ने दूसरे टेस्ट की सुरक्षा बढ़ा दी है। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने आर्चर को इंगित ताने को ‘भयावह’ बताया। न्यूजीलैंड क्रिकेट नेकहा कि दोषियों को पुलिस के हवाले किया जायेगा और सीसीटीवी फुटेज में पकड़े जाने पर भविष्य में किसी भी मैदान पर उसके प्रवेश पर रोक लगा दी जायेगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी डेविड व्हाइट ने कहा, “ हम बहुत निराश हैं ।यह अस्वीकार्य है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।” बारबाडोस में जन्मे आर्चर ने सोमवार को मैच खत्म होन के बाद टवीट किया,“ अपनी टीम को बचाने के लिये संघर्ष करते समय नस्लीय टिप्पणी सुनकर काफी परेशान हुआ।।” न्यूजीलैंड ने पहला टेस्ट एक पारी और 65 रन से जीता लेकिन जीत से ज्यादा चर्चा इस टिप्पणी की हो रही है।

यासिर ने स्मिथ को आउट करके किया था सात उंगली का इशारा, अब मिला करारा जवाब



एडीलेड। लेग स्पिनर यासिर शाह के सात उंगली वाले इशारे ने आस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को इस पाकिस्तानी गेंदबाज के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया है। यासिर ने ब्रिस्बेन में श्रृंखला के पहले टेस्ट में स्मिथ का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते हुए अपनी सात उंगलियां दिखायी थी जिसका मतलब यह था कि खेल के सबसे लंबे प्रारूप में उन्होंने इस बल्लेबाज को सातवीं बार पवेलियन भेजा। स्मिथ से मंगलवार को यहां संवादाता सम्मेलन में जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह अब इस गेंदबाज के खिलाफ सतर्क रहेंगे।

उन्होंने कहा, “ यह (यासिर के सात उंगली दिखाने) मुझे अच्छा प्रदर्शन करने के लिए अधिक प्रेरित करेगा कि मैं इस गेंदबाज के खिलाफ आउट नहीं होऊं। मैं उसके खिलाफ ज्यादा अनुशासन से खेलूंगा।” उन्होंने हालांकि यासिर की उपलब्धि को ज्यादा तवज्जो नहीं देते हुए कहा, “ यह दिलचस्प है। उसने मुझे ऐसे समय आउट किया है जब मैं क्रीज पर नया था और तेजी से रन बनाने की जरूरत थी। दो बार शायद मैं दूसरी पारी में आउट हुआ हूं जहां मैं थोड़ा बेपरवाह हो कर खेल रहा था। मैं ज्यादा चिंतित नहीं हूं।”

विश्व स्तरीय अंपायर तैयार करने में एक दशक लग जाता है : टोफेल

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के एलीट पैनल में अभी कोई भारतीय अंपायर शामिल नहीं है और प्रतिष्ठित अंपायर साइमन टोफेल को निकट भविष्य में भी किसी भारतीय के इसमें जगह बनाने की उम्मीद नहीं है क्योंकि उनका मानना है कि एक विश्व स्तरीय अधिकारी को तैयार करने में एक दशक का समय लगता है। पैनल में 2015 से भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे एस रवि को इस साल की शुरुआत में हटा दिया गया। उन्होंने एशेज सहित 33 टेस्ट, 48 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और 18 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग की। अब संन्यास ले चुके और 2004 से 2008 के बीच दुनिया के नंबर एक अंपायर रहे टोफेल ने पीटीआई से कहा, “विश्व स्तरीय अंपायर तैयार करने में 10 साल का समय लगता है।

पीबीएल नीलामी में पीवी सिंधु और ताइ जू के लिए सर्वाधिक 77 लाख रुपये की बोली

नयी दिल्ली। विश्व चैंपियन पीवी सिंधू को यहां प्रीमियर बैडमिंटन लीग के पांचवें सत्र की नीलामी में मंगलवार को हैदराबाद हंटर्स ने 77 लाख रुपये की बोली लगाकर अपने साथ बरकरार रखा। दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी चीनी ताइपे की ताइ जू यिंग के लिए गत चैंपियन बेंगलुरु रैपटर्स ने 77 लाख रुपये की संयुक्त रूप से सर्वोच्च बोली लगाई। रैपटर्स ने बोली में पुणे 7 एसेस को पछाड़कर ताइ जू को अपने साथ जोड़ा। भारत के शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल बी साई प्रणीत को रैपटर्स की टीम ने 32 लाख रुपये खर्च करके अपने साथ बरकरार रखा।

चेन्नई सुपरस्टार्ज ने पुरुष युगल खिलाड़ी बी सुमित रेड्डी को 11 लाख रुपये जबकि पुणे 7 एसेस ने चिराग शेट्टी को 15 लाख 50 हजार रुपये खर्च करके अपने साथ जोड़े रखा। दुनिया की नौवें नंबर की अमेरिकी महिला एकल



खिलाड़ी बेइवान झेंग भी अवध वारियर्स के साथ बरकरार रहेंगी जिनके लिए टीम ने 39 लाख रुपये खर्च किए। राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद की बेटी गायत्री गोपीचंद को चेन्नई की टीम ने चुना जबकि असम की युवा खिलाड़ी अंशिता चालिहा को उनकी घरेलू टीम नार्थ ईस्टर्न वारियर्स ने तीन लाख रुपये में खरीदा। पीबीएल के पांचवें सत्र की चमक हालांकि उस समय कुछ फीकी हो गई जब लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक

विजेता साइना नेहवाल और किदांबी श्रीकांत ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर पर ध्यान देने के लिए इस टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। साई प्रणीत, लक्ष्य सेन और पुरुष युगल खिलाड़ी सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी सहित 154 खिलाड़ी नीलामी का हिस्सा थे। पीबीएल का अगला सत्र 20 जनवरी से नौ फरवरी तक खेला जाएगा जिसमें 74 भारतीय खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और लखनऊ में

होने वाली इस 21 दिवसीय प्रतियोगिता में सात टीमें अवध वारियर्स (लखनऊ), बेंगलुरु रैपटर्स (बेंगलुरु), मुंबई राकेट्स (मुंबई), हैदराबाद हंटर्स (हैदराबाद), चेन्नई सुपरस्टार्ज (चेन्नई), नार्थ ईस्टर्न वारियर्स (पूर्वोत्तर) और पुणे 7 एसेस (पुणे) की टीमें हिस्सा लेंगी। प्रत्येक फ्रेंचाइजी के पास खर्च करने के लिए दो करोड़ रुपये थे लेकिन वे एक खिलाड़ी पर 77 लाख रुपये से अधिक खर्च नहीं कर सकती थी। टीम में अधिकतम 11 खिलाड़ी हो सकते हैं जिसमें अधिकतम छह विदेशी खिलाड़ी और कम से कम तीन महिला खिलाड़ी होनी चाहिए। पीबीएल के आगामी सत्र में पिछली बार वाला प्रारूप बरकरार रहेगा जिसमें प्रत्येक मुकाबले में पांच मैच (दो पुरुष एकल, एक महिला एकल, एक पुरुष युगल और एक मिश्रित युगल) होंगे।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में स्मिथ के करीब पहुंचे कोहली, टॉप 10 में अग्रवाल ने भी बनाई जगह

दुबई। भारतीय कप्तान विराट कोहली बांग्लादेश के खिलाफ दिन रात के टेस्ट में शतक जमाकर आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में स्टीव स्मिथ के करीब पहुंच गए जबकि सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल पहली बार शीर्ष दस में आ गए। कोहली के 928 रैंटिंग अंक हैं जिन्होंने कोलकाता में बांग्लादेश के खिलाफ 136 रन बनाये । उनके और स्टीव स्मिथ के बीच अब तीन अंक का ही अंतर रह गया है। इंदौर में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में दोहरा शतक जमाने वाले अग्रवाल एक पायदान चढ़कर दसवें स्थान पर पहुंच गए । शीर्ष दस में वह चौथे भारतीय हैं । चेतेश्वर पुजारा (791) चौथे और अर्जुनवय रहाणे (759) पांचवें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के



हरफनमौला बेन स्टोक्स भी तीन पायदान चढ़कर शीर्ष दस में पहुंच गए । बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम चार पायदान चढ़कर 26वें स्थान पर हैं जिन्होंने कोलकाता टेस्ट में 74 रन बनाये । भारतीय तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा

और उमेश यादव ने कैरियर के सर्वोच्च अंक हासिल किये। ईशांत 716 अंक लेकर 17वें स्थान पर हैं जबकि उमेश 672 अंक के साथ 21वें स्थान पर हैं । स्पिनर आर अश्विन 772 अंक लेकर नौवें स्थान पर हैं। वहीं

फिटनेस समस्याओं से जूझ रहे जसप्रीत बुमराह एक पायदान खिसककर पांचवें स्थान पर हैं। रविंद्र जडेजा हरफनमौलाओं की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। वेस्टइंडीज के जैसन होल्डर शीर्ष पर हैं।

बीबीएल में मेलबर्न रेनेगेड्स के कोच बने आस्ट्रेलिया के पूर्व माइकल विलंगर

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के पूर्व टी20 बल्लेबाज माइकल क्लिंगर को बिग बैश लीग टी20 टूर्नामेंट के आगामी सत्र के लिए मेलबर्न रेनेगेड्स को कोच बनाया गया है। क्लिंगर ने पिछले सत्र में बीबीएल से संन्यास ले लिया था। वह बीबीएल के इतिहास के सबसे

सफल बल्लेबाज हैं। इस टी20 टूर्नामेंट में उनके नाम पर आठ सत्र में एक शतक और 12 अर्धशतक की मदद से 1947 रन दर्ज हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो की खबर के अनुसार एडिलेड स्ट्राइकर्स और पर्थ स्कोरचर्स का भी हिस्सा रह चुके 39 बरस के

क्लिंगर एंड्रयू मैकडोनाल्ड की जगह लेंगे जिन्हें आस्ट्रेलिया का सहायक कोच नियुक्त किया गया है। मैकडोनाल्ड के मार्गदर्शन में रेनेगेड्स ने बीबीएल खिताब जीता था। क्लिंगर भी जस्टिन लैंगर के मार्गदर्शन में स्कोरचर्स के साथ दो खिताब जीत चुके

हैं। एक दशक से अधिक समय तक घरेलू क्रिकेट में सभी प्रारूपों में दबदबा बनाने वाले क्लिंगर 2017 में आस्ट्रेलिया के लिए तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। क्लिंगर को मुख्य कोच के पद पर इससे पहले कोई अनुभव नहीं है।

मुख्य भूमिका नहीं बल्कि प्रभावशाली किरदार निभाना चाहता हूं :राजकुमार राव

राजकुमार राव ने अपनी फिल्मों में शानदार काम करके उन्होंने अपने प्रशंसकों को काफी प्रभावित किया है। वह बॉलीवुड में सबसे चहेते सितारों में से एक हैं, जिनकी फिल्मों की एक दिलचस्प लाइन होती है। हाल ही में एक साक्षात्कार में %स्त्री% अभिनेता राजकुमार राव ने अपने बॉलीवुड के सफर और उपलब्धियों के बारे में खुलकर कुछ आश्चर्यजनक खुलासे किए। अभिनेता ने कथित तौर पर कहा कि वह अक्सर भावनात्मक कारणों से की जाने वाली कुछ फिल्मों पर पछतावा करते हैं, लेकिन वह अच्छी भूमिकाओं में नहीं खोए जाने के अपने फैसले से खुश है। अपनी यात्रा के बारे में बात करते हुए, अभिनेता ने कहा कि जब भी वह अपनी उपलब्धियों के बारे में संदिग्ध महसूस करते हैं तो वह अपने बॉलीवुड सफर के पुराने दिन याद कर लेते हैं। उसके बाद कहते हैं कि पुराने दिनों को याद करते फिर आत्मविश्वास आ जाता है कि मैं कहा से आया हूँ। उन्होंने यह भी बताया कि उनका लक्ष्य किसी फिल्म में मुख्य भूमिका निभाना नहीं है बल्कि एक प्रभावशाली किरदार निभाना है। आपको बता दें कि राजकुमार आखिरी बार मौनी राय के साथ फिल्म %मेड इन चाइना% में नजर आए थे। फिल्म को आलोचकों ने अच्छे रिव्यू दिए राव के प्रदर्शन को बहुत सराहा गया। वह फिल्म %रूहीअफ़ज़ा% में जान्हवी कपूर के साथ नजर आएंगे



ऐक्टर सुशांत सिंह राजपूत को मंगलवार सुबह मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। वहां वह अपने फैमिली मेंबर्स को रिसीव करने पहुंचे थे। हालांकि इस दौरान एयरपोर्ट पर भीड़ थी और कहीं लोग उन्हें पहचान न लें और धक्का-मुक्की न होने लगे, इसलिए सुशांत ने अपने चेहरे पर मास्क लगाया हुआ था। दिलचस्प बात यह है कि

एयरपोर्ट पर मौजूद कोई भी शख्स उन्हें पहचान नहीं पाया। वह काफी देर तक वहां रहे। इस्टाग्राम पर शेयर किए गए विडियो में भी दिख रहा है कि सुशांत एयरपोर्ट पर आराम से खड़े हैं और किसी का भी उनकी ओर ध्यान नहीं है। प्रफेशनल फंट की बात करें, तो सुशांत हाल ही में रिलीज हुई फिल्म छिछोरे में नजर आए थे। इस फिल्म में

एयरपोर्ट पर भीड़ से बचने के लिए सुशांत सिंह राजपूत ने यूं छिपाया चेहरा

उन की ऐक्टिंग को काफी पसंद किया गया। 2020 में उनकी फिल्म दिल बेचारा आएगी, जिसे कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छबड़ा डायरेक्ट कर रहे हैं। वहीं पर्सनल लाइफ की बात करें, तो वह आजकल रिया चक्रवर्ती के साथ अपने लिंकअप को लेकर सुर्खियों में हैं। दोनों में से किसी ने भी अभी तक अपने रिलेशन पर कुछ भी नहीं कहा है। लेकिन उनकी साथ में आउटिंग और छुट्टियां मनाना काफी कुछ बयां करता है।

अक्षय-दीपिका समेत पिछली फिल्मों के सारे स्टार्स के साथ बनेगी हाउसफुल 5



साजिद नाडियाडवाला की हाउसफुल फैन्स की फेवरिट फिल्म फ्रैंचाइज में से एक है। हाउसफुल के हर इस्टैलमेंट ने फैन्स को काफी गुरुगुदाया है। हालिया रिलीज हाउसफुल 4 ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया है। अक्षय कुमार ने टिवटर पर एक तस्वीर शेयर की थी जिसमें प्रड्यूसर साजिद नाडियाडवाला के साथ हाउसफुल की पिछली फिल्मों के ऐक्टर्स भी नजर आ रहे हैं।

कृति सेनन बॉबी देओल पूजा हेगड़े जैसे स्टार्स होंगे।



मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अब साजिद नाडियाडवाला हाउसफुल 5 बनाने का प्लान कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि यह फिल्म और भी बड़ी और भव्य होगी। फिल्म में पिछले सभी इंस्टालमेंट के स्टार्स होंगे। फैन्स के लिए भी यह काफी एक्साइटिंग होगा कि एक ही फिल्म में अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण, जॉन अब्राहम, रितेश देशमुख, जैकलिन फर्नांडिस, अभिषेक बच्चन,

‘ब्रह्मास्त्र’ की शूटिंग के लिए हिमाचल प्रदेश पहुंचे रणबीर-आलिया, मनाली में हुआ स्वागत



आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की जोड़ी इस समय बॉलीवुड की हाइलाइट्स जोड़ियों में से एक है। दोनों के रिलेशनशिप की खबरें मीडिया में सुर्खियां बटोर रही हैं। अपनी रिलेशनशिप को लेकर खबरों में रहने के बावजूद ये दोनों अपनी मोस्ट अवटेड

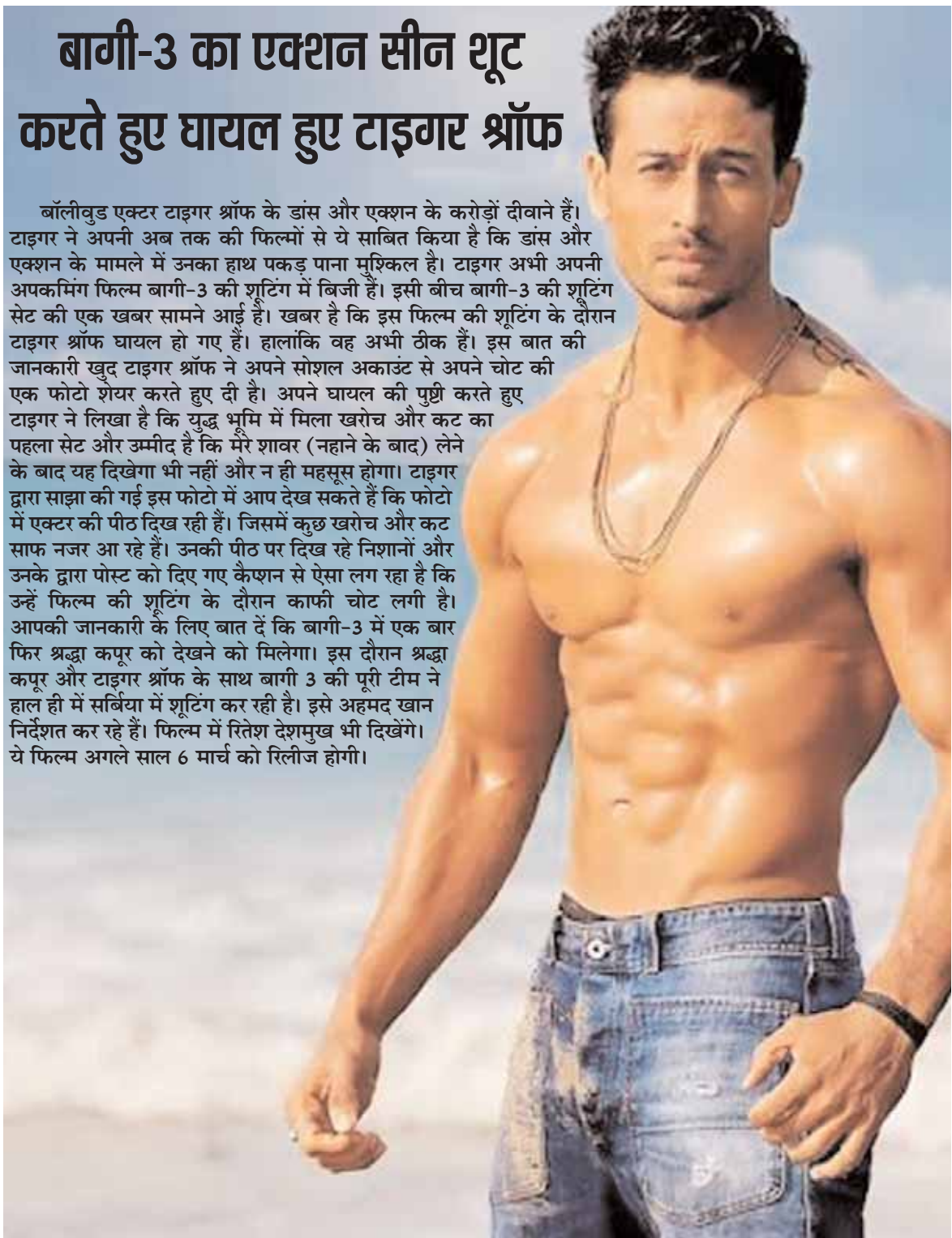
फिल्म ब्रह्मास्त्र की शूटिंग के लिए पर्यटन नगरी मनाली ताजा बर्फबारी का आनंद लेने के लिए हिमाचल पहुंच गए हैं। हिमाचल के मनाली में आलिया और रणबीर का शानदार स्वागत हुआ। मनाली में दोनों के स्वागत की फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

वायरल हो रही फोटोज में आलिया और रणबीर हिमाचली स्टाइल में नजर आ रहे हैं। ट्रेडिशनल मनाली कैप,मफलर पहने हुए हैं। साथ ही फूलों का गुलदस्ता हाथ में पकड़ा हुआ है। रणबीर-आलिया के साथ एक्ट्रेस मोनी राय भी मनाली पहुंची। खबरों

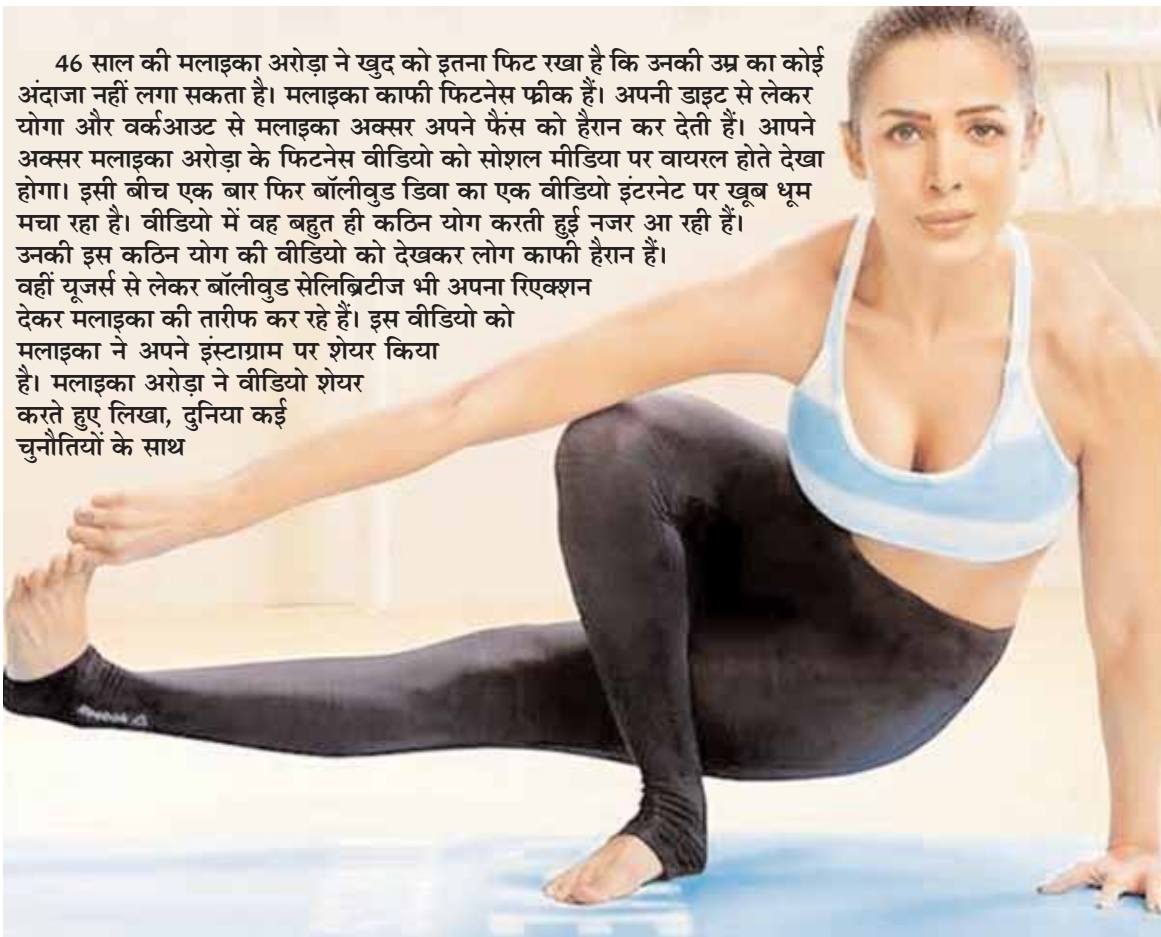
की मानें तो अमिताभ बच्चन 27 को मनाली पहुंच जाएंगे। मीडिया सूत्रों की मानें तो सेहत ठीक न होने के कारण अमिताभ के लिए मनाली का मौसम विक्रत दे सकता है, लेकिन यूनिट ने उनके रहन-सहन व स्वास्थ्य को लेकर विशेष तैयारियां की हैं।

बागी-3 का एक्शन सीन शूट करते हुए घायल हुए टाइगर श्रॉफ

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ के डांस और एक्शन के करोड़ों दीवाने हैं। टाइगर ने अपनी अब तक की फिल्मों से ये साबित किया है कि डांस और एक्शन के मामले में उनका हाथ पकड़ पाना मुश्किल है। टाइगर अभी अपनी अपकमिंग फिल्म बागी-3 की शूटिंग में बिजी हैं। इसी बीच बागी-3 की शूटिंग सेट की एक खबर सामने आई है। खबर है कि इस फिल्म की शूटिंग के दौरान टाइगर श्रॉफ घायल हो गए हैं। हालांकि वह अभी ठीक हैं। इस बात की जानकारी खुद टाइगर श्रॉफ ने अपने सोशल अकाउंट से अपने चोट की एक फोटो शेयर करते हुए दी है। अपने घायल की पुष्टि करते हुए टाइगर ने लिखा है कि युद्ध भूमि में मिला खरोच और कट का पहला सेट और उम्मीद है कि मेरे शावर (नहाने के बाद) लेने के बाद यह दिखेगा भी नहीं और न ही महसूस होगा। टाइगर द्वारा साझा की गई इस फोटो में आप देख सकते हैं कि फोटो में एक्टर की पीठ दिख रही है। जिसमें कुछ खरोच और कट साफ नजर आ रहे हैं। उनकी पीठ पर दिख रहे निशानों और उनके द्वारा पोस्ट को दिए गए कैप्शन से ऐसा लग रहा है कि उन्हें फिल्म की शूटिंग के दौरान काफी चोट लगी है। आपकी जानकारी के लिए बात दें कि बागी-3 में एक बार फिर श्रद्धा कपूर को देखने को मिलेगा। इस दौरान श्रद्धा कपूर और टाइगर श्रॉफ के साथ बागी 3 की पूरी टीम ने हाल ही में सर्बिया में शूटिंग कर रही है। इसे अहमद खान निर्देशित कर रहे हैं। फिल्म में रितेश देशमुख भी दिखेंगे। ये फिल्म अगले साल 6 मार्च को रिलीज होगी।



भुजंगासन के बाद मलाइका अरोड़ा ने फिर किया हैरतअंगेज अंदाज में योग



46 साल की मलाइका अरोड़ा ने खुद को इतना फिट रखा है कि उनकी उम्र का कोई अंदाजा नहीं लगा सकता है। मलाइका काफी फिटनेस फ्रीक हैं। अपनी डाइट से लेकर योगा और वर्कआउट से मलाइका अक्सर अपने फैस को हैरान कर देती हैं। आपने अक्सर मलाइका अरोड़ा के फिटनेस वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल होते देखा होगा। इसी बीच एक बार फिर बॉलीवुड डिवा का एक वीडियो इंटरनेट पर खूब धूम मचा रहा है। वीडियो में वह बहुत ही कठिन योग करती हुई नजर आ रही हैं। उनकी इस कठिन योग की वीडियो को देखकर लोग काफी हैरान हैं। वहीं यूजर्स से लेकर बॉलीवुड सेलिब्रिटीज भी अपना रिएक्शन देकर मलाइका की तारीफ कर रहे हैं। इस वीडियो को मलाइका ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। मलाइका अरोड़ा ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, दुनिया कई चुनौतियों के साथ

बेहद खूबसूरत है। हम अपनी यात्रा में बदलते हैं। एक चीज जिसकी लगातार जरूरत होती है वो है शक्ति। मेरा मंत्र हमेशा से रहा है, हम झुकना चाहिए ताकि हम शायद ही कभी टूट सकें।आपको बता दें कि इस वीडियो से पहले मलाइका की एक और टिकटॉक वीडियो काफी चर्चा में थी, जिसमें वह भुजंगासन करते हुए नजर आई थी। उनका यह वीडियो टिकटॉक पर ट्रेंड कर रहा है। इस वीडियो को बॉलीवुड एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने टिकटॉक अकाउंट पर शेयर किया था।

